राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022-2023 से प्रभावी)

विभाग के बारे में:

भाषा केवल अभिव्यक्ति एवं संपर्क का माध्यम ही नहीं है अपितु वह सामाजिक सोच, सामासिक संस्कृति और सामूहिक मानसिकता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत जैसे एक बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक देश की राजभाषा एवं संपर्क भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी विभिन्न भाषा-भाषी समाजों और संस्कृतियों के बीच अंतः संवाद का माध्यम भी है। राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग शैक्षिक एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ उपेक्षित समूहों को केन्द्र में लाने की प्रक्रिया में हिन्दी भाषा एवं साहित्य की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। हिंदी विभाग निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस विभाग की स्थापना अकादमिक सत्र-2011 में की गयी जिसमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। विभाग का पाठ्यक्रम साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषाविज्ञान के एकीकृत अध्ययन पर केन्द्रित है जो छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में पूर्णतया सक्षम है।

पाठ्यक्रम: हिंदी विभाग में एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम तथा पी-एच.डी. हिन्दी पाठ्यक्रम संचालित हैं। विगत दशकों में रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए विकसित हुए नये अवसरों को ध्यान में रखकर हिन्दी विभाग ने अपने एम.ए. पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। वर्तमान पाठ्यक्रम भाषा के रोजगारपरक संचार सम्बन्धी पहलुओं को उजागर करने की कोशिश करता है। इन पाठ्यक्रमों में स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक तथा हाशिये के समाज पर केंद्रित साहित्य की विविध विधाओं, आधुनिक साहित्य सिद्धांतों, तुलनात्मक साहित्य, लोक साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, प्रयोजनमूलक हिन्दी, अनुवाद एवं मीडिया अध्ययन आदि विषयों पर विशेष जोर दिया गया है।

1. एम. ए. हिन्दी (Intake Capacity 50) (MAH)
2. पी-एच.डी. (PHN)

अवधि: एम.ए. पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष अर्थात् चार सत्र होगी तथा पी-एच.डी. की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष अर्थात् छह सत्र होगी।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

वर्तमान पाठ्यक्रम भाषा के रोजगारपरक संचार संबंधी पहलुओं को उजागर करने की कोशिश करता है। एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के उद्देश्य निम्नवत हैं:

- अंतर अनुशासनिक विस्तार हेतु तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन एवं शोध को महत्त्व प्रदान करना |
- विविध साहित्यिक आन्दोलनों तथा समकालीन साहित्यिक विधाओं का ज्ञान प्रदान करना |
- छात्रो को परम्परागत साहित्यिक अध्यापन के साथ-साथ विविध क्षेत्रों में कैरियर निर्माण हेतु प्रकाशन, रंगमंच, रेडियो, टेलीविज़न, पटकथा लेखन, विज्ञापन और कॉरपोरेट संचार क्रियात्मक कला, अनुवाद, पत्रकारिता आदि क्षेत्रों मे प्रशिक्षित करना |
- उपर्युक्त क्षेत्रों मे विशेषज्ञता के लिए तैयार करना |
- रचनात्मक और पेशेवर लेखन मे कैरियर बनाने के साथ-साथ जनसंचार, भाषा, सांस्कृतिक अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य और अन्य क्षेत्रों मे शोध कार्यों के लिए कुशल बनाना |
- समकालीन मुद्दों के प्रति उन्हे जागरूक और संवेदनशील बनाना |
- सबसे महत्वपूर्ण एक अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण हेतु छात्रों की सहायता करना |

प्रवेश अर्हता एवं प्रवेश प्रक्रिया:

हिन्दी विभाग में संचालित एम.ए. तथा पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (CUCET) उत्तीर्ण कर प्रवेश पा सकते हैं। पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार परीक्षा भी देनी होगी। एम.ए. कक्षा में प्रवेश हेतु प्रवेशार्थी की स्नातक या समकक्ष कक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य है तथा आरक्षण के नियमानुकूल अंकों में छूट

देय है । प्रवेश संबंधी जानकारी एवं प्रवेश परीक्षा (CUCET) के पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी हेतु प्रवेशार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.curaj.ac.in देख सकते हैं |

CBCS course structure for M.A. Hindi

To get the degree of M.A. MAHdi, students have to earn a total of 92 credits. Details of Courses & Credits in each semester are as follow:

Semester I		**Semester II**		**Semester III**		**Semester IV**	
Courses	**Credits**	**Courses**	**Credits**	**Courses**	**Credits**	**Courses**	**Credits**
C	4	C	4	C	4	C	4
C	4	C	4	C	4	C	4
C	4	C	4	C	4	DSE	4
C	4	C	4	DSE	4	GE	4
DSE	4	DSE	4	GE	4	Dissertation	6
AEC	2	AEC	2	AEC	2		
		AEC	2	S. Training	2		
Total	**22**	**Total**	**24**	**Total**	**24**	**Total**	**22**
Fitness	½	Fitness	½	Fitness	½	Fitness	½
Societal	½	Societal	½	Societal	½	Societal	½
Core Courses – 13 (52 Credits), DSE Departmental Electives – 4 (16 Credits), GE Generic Electives -1 (6 Credits), AEC Ability Enhancement Courses – 4 (8 Credits), D Dissertation -2 (8 Credits), S. Training -2, Fitness 4 (2 Credits), Societal -4 (2 Credits)							
Total Credits 92							

Fitness*	Fitness*	Fitness*	Fitness*	Total 2 credits from 4 Semesters
Societal*	Societal *	Societal*	Societal *	Total 2 credits from 4 Semesters

Course Structure

क्र.सं.	विषय कोड	कोर्स का शीर्षक	कोर्स के प्रकार (C/DE/GE/AECC/D)	Credits	Contact hours/week		
					L	I.L.	P
प्रथम सत्र							
1.	MAH 101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	**C**	**4**	**2**	**2**	
2.	MAH 102	हिंदी भाषा का स्वरूप एवं इतिहास	**C**	**4**	**2**	**2**	
3.	MAH 103	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य	**C**	**4**	**2**	**2**	
4.	MAH 104	हिंदी आलोचना	**C**	**4**	**2**	**2**	
5.	As per Anx 1	वैकल्पिक – I विभाग से (D-Elective)	**DSE**	**4**	**2**	**2**	
6.	MAH 105	अनुवाद कौशल (AEC)**	**AEC**	**2**	**1**	**-**	**2**
7.		Total Credit		**22**			
8.		Fitness*		**½**			**2**
9.		Societal*		**½**			**2**
द्वितीय सत्र							
10.	MAH 201	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**C**	**4**	**2**	**2**	
11.	MAH 202	हिंदी कहानी	**C**	**4**	**2**	**2**	
12.	MAH 203	हिंदी उपन्यास	**C**	**4**	**2**	**2**	
13.	As per Anx 1	वैकल्पिक – I विभाग से (D-Elective)	**DSE**	**4**	**2**	**2**	
14.	MAH 204	शोध पत्र एवं प्रारूप लेखन (Dissertation 1)	**C**	**4**	**2**	**2**	
15.	MAH 205	समाचार एवं विज्ञापन लेखन (AEC)**	**AEC**	**2**	**1**	**-**	**2**
16.	MAH 206	वक्तृत्व कौशल विकास (AEC)**	**AEC**	**2**	**1**	**-**	**2**
17.		Total Credit		**24**			
18.		Fitness*		**½**			**2**
19.		Societal*		**½**			**2**
तृतीय सत्र							
20.	MAH 301	आधुनिक हिंदी कविता	**C**	**4**	**2**	**2**	
21.	MAH 302	राजस्थानी लोक संस्कृति और साहित्य	**C**	**4**	**2**	**2**	
22.	MAH 303	भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन	**C**	**4**	**2**	**2**	
23.	As per Anx 1	वैकल्पिक – I विभाग से (D-Elective)	**DSE**	**4**	**2**	**2**	
24.	As per Anx 1	वैकल्पिक – II अन्य विभाग से (Ex-D Elective)	**GE**	**4**	**2**	**2**	
25.	MAH 304	रचनात्मक लेखन (AEC)**	**AEC**	**2**	**1**	**-**	**2**

26.	MAH 305	इंटर्नशिप / ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण		**2**			
27.		Total Credit		**24**			
28.		Fitness*		**½**			**2**
29.		Societal*		**½**			**2**
चतुर्थ सत्र							
30.	MAH 401	हिंदी नाटक और रंगमंच	**C**	**4**	**2**	**2**	
31.	MAH 402	हिंदी के अन्य गद्य रूप	**C**	**4**	**2**	**2**	
32.	As per Anx 1	वैकल्पिक – I विभाग से (D-Elective)	**DSE**	**4**	**2**	**2**	
33.	As per Anx 1	वैकल्पिक – II अन्य विभाग से (Ex-D Elective)	**GE**	**4**	**2**	**2**	
34.	MAH 403	लघु शोध परियोजना (Dissertation)	**D**	**6**	**-**	**-**	**16**
35.		Total Credit		**22**			
36.		Fitness*		**½**			**2**
37.		Societal*		**½**			**2**

L- Lecture, **I. L. –** Integrated Learning involving Seminars, Tutorials, Group Discussion, Assignments, **P –** Practical.

*In Fitness the students are expected to participate in any physical activity (e.g. Yoga) and in Societal they need to engage in some social activity (e.g. NSS) in the university, right from I Semester to the IV Semester. By participating in both these activities the student will be earning 4 credits (2 credits for Fitness & 2 Credits for Societal) by the end of the four semesters. The score 2 credits for each (Fitness and Societal) will be proportionately spread over the four semesters and cannot be earned in any one or two semesters.

**The Skill Enhancement courses spread over the three semesters are compulsory.

C (Core Course) – These are Core Courses & compulsory for all students.

DSE (Department Specific Electives) – Students need to opt for 1 Department Specific Electives in Semester I, 2 in Semester II and 1 each in Semester III and Semester IV.

GE (Generic Electives) – Students need to opt for 1 Generic Elective (ideally from any other department) in Semester III and Semester IV. If any student is not comfortable with the medium of language (English) offered by other department he/she may choose course from departmental electives.

AEC (Ability Enhancement Courses) – These are the compulsory skill based courses which can increase the job prospects in various professional fields and enable students to be freelancers. Students will study two courses of each 2 credits in I, II and III semesters.

D (Dissertation) – There will be dissertation in fourth semester of 8 credits. This will improve research skills in the students.

S. Training – There will be a summer Traing (Interniship) after second semester for 2 Credits.

वैकल्पिक कोर्सेस की सूची (List of Elective Courses):

Sr. No.	Course Code	Title of the Course	Credits	Contact hours/week		
				L	I.L.	P
1	MAH 501	कार्यालयीन हिंदी	4	4	2	0
2	MAH 502	तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन	4	4	2	0
3	MAH 503	भारतीय उपन्यास	4	4	2	0
4	MAH 504	हिंदी का स्त्रीवादी साहित्य	4	4	2	0
5	MAH 505	अनुवाद सिद्धांत व व्यवहार	4	4	2	0
6	MAH 506	मीडिया विमर्श: सिद्धांत और अनुप्रयोग	4	4	2	0
7	MAH 507	हिंदी का अस्मितामूलक साहित्य	4	4	2	0
8	MAH 508	हिंदी का प्रवासी साहित्य	4	4	2	0
9	MAH 509	विशेष अध्ययन: मीरा	4	4	2	0
10	MAH 510	विशेष अध्ययन: प्रेमचंद	4	4	2	0
11	MAH 511	विशेष अध्ययन: गुरू जम्भेश्वर	4	4	2	0
12	MAH 512	आधुनिक भारतीय कविता	4	4	2	0
13	MAH 513	विश्व साहित्य : सामान्य अध्ययन	4	4	2	0
14	MAH 514	पटकथा लेखन	4	4	2	0
15	MAH 515	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4	4	2	0
16	MAH 516	राजस्थान का भक्ति काव्य	4	4	2	0
17	MAH 517	21 सदी के राजस्थान के प्रमुख हिंदी नाटक एवं नाटककार	4	4	2	0
19	MAH 518	दक्षिण भारत के प्रमुख संत कवि एवं काव्य	4	4	2	0
20	MAH 519	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता	4	4	2	0
21	MAH 520	वेब पत्रकारिता	4	3	2	2
22	MAH 521	हिंदी भाषा और कंप्यूटर अनुप्रयोग	4	3	2	2
23	MAH 522	स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध कोई एक 4 क्रेडिट का कोर्स	4			

प्रथम सेमेस्टर में ही मेंटरिंग हेतु विद्यार्थी आवंटित कर दिए जायेंगे।
समर ट्रेनिंग के समय मोनिटरिंग/ निर्देशन एवं लघु शोध प्रबंध 1 और 2 का निर्देशन मेंटर ही करेंगे।

लघु शोध प्रबंध का विषय तृतीय सत्र में ही आवंटित किया जायेगा उसका मूल्याङ्कन चतुर्थ सत्र में होगा। इसलिए अतिरिक्त समय सीमा की जरुरत नहीं होगी अंतिम परिणाम समय पर आ जायेगा। विद्यार्थी को तृतीय सत्र के अंत में प्रेजेंटेशन के माध्यम से 60% कार्य की पूर्णता बतानी होगी।

NEP 2020 के अनुसार Exit option –
1 वर्ष पूरा करके (1+2 Semester) पास होने पर हिंदी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PG Diploma in MAHdi) दिया जायेगा।
2 वर्ष होने पर स्नातकोत्तर उपाधि दी जाएगी।

Detailed Syllabus

Course code	**MAH 101**
Course Name:	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य साहित्य के स्वरुप, उसकी प्रवृतियों एवं उसकी उपलब्धियों से विद्यार्थियों को अवगत करवाना है। साहित्य के आंतरिक एवं बाह्य संघर्ष की गाथा को सरल व सुबोध भाषा में वर्णन कर राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों का दिग्दर्शन करवाना है। हिंदी साहित्य के इतिहास, उस काल विशेष के साहित्यकारों, उस काल की प्रवृतियों और सीमा ज्ञान से अवगत होना है। साथ ही विद्यार्थी यह भी जान सकेंगे कि जनता की चित्तवृतियों में परिवर्तन से साहित्य एवं भाषा में किस प्रकार परिवर्तन होता है।	
Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि प्रत्येक काल का साहित्य उस युग की चित्तवृत्तियों पर निर्भर करता। प्रत्येक काल का साहित्य मानवीय भावबोध को प्रकट करता है। तत्कालीन कवियों की काव्य कला एवं भाषा शिल्प से परिचित हो सकेंगे जो आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होता है।	
Course Details:	
इकाई 1: हिंदी साहित्य का आदिकाल, प्रमुख रासो ग्रंथ, जैन साहित्य, सिद्ध ,बौद्ध तथा नाथ साहित्य, प्रमुख कवियों एवं युगीन प्रवृत्तियों का परिचय, प्रमुख कवि **(15L)** इकाई 2: भक्तिकाल के उदय के सामाजिक-आर्थिक कारण, प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ भक्ति का स्वरूप, संत, सूफी, राम तथा कृष्ण काव्यधाराएँ, वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलवार संत, **(10L)** इकाई 3: निर्गुण काव्य एवं प्रमुख कवि :, कबीर, दादू, नानक तथा रैदास, जायसी, कुतुबन, तथा मंझन, इकाई 4:सगुण भक्ति काव्य एवं प्रमुख कवि तुलसी, सूरदास, अष्ट छाप के अन्य कवि मीराबाई रसखान(15L) इकाई 5 रीतिकालीन साहित्य का उद्भव और विकास , सामाजिक-राजनीतिक सांस्कृतिक साहित्यक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, इकाई 6: रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएँ : रीति बद्ध रीति सिद्ध रीति मुक्त धाराएं एवं उनके प्रमुख कवि	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. हिंदी साहित्य इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, दिल्ली, संस्करण 2015, मूल्य 600 2. भारतीय साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1997, मूल्य 140 रु. 3. भक्तिकाव्य और लोकजीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1983, 250 रु. 4. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2017, मूल्य 600 रु. 5. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली, संस्करण 2013, मूल्य 280 रु	

6. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008, मूल्य 250 रु
7. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2017, मूल्य 688 रु.
8. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास, रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, दिल्ली, संस्करण 2015, मूल्य 450रु.

Course code	**MAH 102**
Course Name:	**हिंदी भाषा का स्वरूप एवं इतिहास**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्न पत्र में हिंदी भाषा के स्वरूप एवं इतिहास का अध्ययन-अध्यापन किया जाएगा। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्कृत से लेकर हिंदी के वर्तमान स्वरूप तक हिंदी की विकास यात्रा एवं बोलियाँ, लिपि और मानकीकरण सहित हिंदी के प्रसार से अवगत कराना है।

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि किस प्रकार संस्कृत से अपनी आरम्भिक यात्रा शुरू कर 5000 वर्ष में पालि, प्राकृत, अपभ्रंश,पुरानी हिंदी (अवधी, ब्रज, दक्खिनी हिंदी) के पड़ावों से गुजरती हुई हिंदी आज के स्वरुप को प्राप्त की है | हिंदी प्रसार के प्रमुख आंदोलन तथा प्रमुख संस्थान, हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय, हिंदी उर्दू और हिंदुस्तानी, देवनागरी लिपि का आधुनिकीकरण, भाषा नियोजन, पिजिन-क्रियोल, राजभाषा, संपर्कभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी, विश्व में हिंदी शिक्षण और शैक्षणिक संस्थाओं के बारे में पूरी जानकारी का लाभ प्राप्त कर पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: भाषा: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं और प्रकृति, भाषा और समाज का अंतःसंबंध, भाषायी विविधता, भाषा एवं बोली में संबंध, स्त्री भाषा और पुरुष भाषा | विश्व के भाषा परिवार, भारोपीय भाषा परिवार | **(15L)**

इकाई 2: हिंदी भाषा का उद्भव विकास और परंपरा (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिंदी) | अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिंदी का संबंध | काव्य भाषा के रूप में अवधी और ब्रज का उदय एवं विकास, दक्खिनी हिंदी | **(10L)**

इकाई 3: खड़ी बोली हिंदी तथा अन्य जनपदीय बोलियाँ, हिंदी प्रसार के प्रमुख आंदोलन तथा प्रमुख संस्थान | हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय, हिंदी उर्दू और हिंदुस्तानी | देवनागरी लिपि का आधुनिकीकरण, भाषा नियोजन, पिजिन-क्रियोल |

इकाई 4: अर्थ विज्ञान, ध्वनि विज्ञान (20L)

इकाई 5: हिंदी की सांविधिक स्थिति, राजभाषा, संपर्कभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी |

इकाई 6: वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी, विश्व में हिंदी शिक्षण और शैक्षणिक संस्थाएँ | **(15L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. हिंदी शब्दानुशासन-किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1976, 10 रु
2. भाषा और समाज-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017, 806 रु
3. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी-सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020, 716 रु
4. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, 1,395 रु
5. भारत की भाषा समस्या-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017, 695 रु
6. हिंदी भाषा का इतिहास-धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, प्रयाग, 1940
7. भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015, 750 रु
8. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 2016, 220 रु
9. हिंदी भाषा- डॉ. हरदेव बाहरी अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013, 150 रु

Course code	MAH 103
Course Name:	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य
Credit, Mode:	4, LTP : 4+0+0

Course Objectives: इस प्रश्न पत्र में हिंदी काव्य के प्राचीनकाल, पूर्व मध्यकाल और उत्तर मध्यकाल के प्रमुख रचनाकारों और उनकी कृतियों पर चर्चा की जाएगी। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी की आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना तथा तत्कालीन प्रमुख कवियों और उनकी कृतियों का परिचय देना।

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि हिंदी साहित्य में प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य का कितना महत्वोपूर्ण स्थान है | इस काव्य ने परवर्ती कालों को प्रभावित करने में कितनी अहम् भूमिका का निर्वाह किया है | इस काव्य ने किस प्रकार भारत की भावनात्मक एकता एवं सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण कार्य किया है इस बात से भी छात्र अवगत हो जाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: बीसलदेव रासो-नरपति नाल्ह (सं. माता प्रसाद) पद संख्या-67-76, विद्यापति पदावली (सं. रामवृक्ष वेनीपुरी) पद संख्या 1-5 **(10L)**

इकाई 2: पद्मावत का नागमती वियोग खंड-मलिक मुहम्मद जायसी **(10L)**

इकाई 3: सूरदास-भ्रमरगीत सार (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद संख्या-21,22,23,24,31,38,42,52,62,64 **(10L)**

इकाई 4: तुलसीदास-विनय पत्रिका पद संख्या- 79, 90, 100, 105, 111, 162, 172, 174, 178. 245 **(10L)**

इकाई 5: मीरा-वृहत पदावली (सं. नरोत्तम दास) पद संख्या-1-15, उत्तर मध्यकालीन काव्य - रहीम-10 दोहे, (नीतिपरक दोहे) **(10L)**

इकाई 6: बिहारी सतसई-10 दोहे (बिहारी रत्नाकर -जगन्नाथदास रत्नाकर से चयनित 10 दोहे) **(10L)**

घनानंद-घनानंद कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) पद संख्या-1-6 **(10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008, मूल्य 250 रु
2. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2008, मूल्य 500 रू.
3. जायसी ग्रंथावली- रामचंद्र शुक्ल (सं.), वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2012, मूल्य 500 रू.
4. बिहारी का नया मूल्यांकन, बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 200 रू.
5. सूरदास-रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2012, मूल्य 250 रू.
6. सूर साहित्य-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2017, मूल्य 350 रू.

Course code	MAH 104
Course Name:	हिंदी आलोचना
Credit, Mode:	4, LTP : 4+0+0

Course Objectives: इस प्रश्न पत्र में हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक एवं व्यावाहारिक पक्ष का विवेचन किया जाएगा | इसमें आलोचना के स्वरूप और पद्धतियों की चर्चा करते हुए हिंदी आलोचना के विभिन्न आलोचकों और आलोचना पद्धतियों का अध्ययन किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के समस्त आयामों से अवगत कराना तथा उनके भीतर आलोचना की समझ विकसित करना है।

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी आलोचना के प्रमुख सिद्धांत, आलोचना के प्रकार एवं हिंदी के प्रमुख आलोचकों से परिचित हो सकेंगे | हिंदी आलोचना का समुचित विवेचन कर सकेंगे | हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली से

अवगत हो पाएंगे | सामाजिक परिप्रेक्ष्य में स्वयं साहित्यिक कृतियों की आलोचना करने में सक्षम हो सकेंगे | आलोचना के प्रमुख सिद्धांतों का प्रयोग कर सकेंगे |
Course Details:
इकाई 1: आलोचना स्वरूप एवं पद्धति **(07 L)** इकाई 2: हिंदी आलोचना का उद्भव एवं विकास **(08 L)** इकाई 3: हिंदी आलोचना की पद्धतियाँ **(04L)** इकाई 4 : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, **(15 L)** इकाई 5: डॉ. नगेन्द्र, विजयदेवनारायण साही, रामस्वरूप चतुर्वेदी । **(10L)** इकाई 6: समकालीन हिंदी आलोचना **(10 L)**
संदर्भ पुस्तकें :-
1. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 300 रू. 2. हिन्दी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार,- कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2012, मूल्य 495 रू. 3. हिंदी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 700 रू. 4. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2012, मूल्य 450 रू. 5. आलोचना का आधुनिक बोध – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 595 रू.

Course code	**MAH 105**
Course Name:	अनुवाद कौशल (AEC)
Credit, Mode:	**2, LTP : 1+0+2**
Course Objectives: यह प्रश्न पत्र कौशल विकास पर आधारित है | इस प्रश्न पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल का विकास करना है | इसमें अनुवाद कला का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा | इस प्रश्न पत्र में अध्यापन पर कम बल देते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अनुवाद कला को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा |	
Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी अनुवाद के महत्त्व से अवगत हो पाएंगे तथा अनुवाद कला से सम्बंधित सभी आयामों से अवगत हो पाएंगे | अनुवाद कला के सभी गुणों से अवगत होकर एक सफल अनुवादक बन पाएंगे | यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करने के लिए सक्षम बना सकेगा जिससे आने वाले समय में विद्यार्थी अनुवाद के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर पाएंगे |	
Course Details:	
इकाई 1: अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप, अनुवाद का महत्त्व **(4 L)** **इकाई 2**: अनुवाद प्रविधि **(4 L)** **इकाई 3**: अनुवाद के प्रकार **(4 L)** **इकाई 4**: अनुवादक के गुण **(4 L)** **इकाई 5**: हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद **(7 L)** **इकाई 6**: अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद **(7 L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार - डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2006, मूल्य 175 रू. 2. अनुवाद क्या है – राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 450 रू. 3. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य – रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 495 रू.	

4. अनुवाद की समस्याएँ - जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, सं. 2011, मूल्य 495 रू.
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा-सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 250 रू.

Course code	**MAH 201**
Course Name:	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र में हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन तथा अध्यापन किया जाएगा इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी साहित्य की विकास यात्रा, साहित्य के विभिन्न आंदोलनों तथा उनसे जुड़ी विचारधाराओं का परिचय देना तथा आधुनिक काल के प्रमुख लेखकों के रचनात्मक योगदान से अवगत कराना है।

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि किस प्रकार स्वतंत्रता आन्दोलन में एकता कायम करने में हिंदी ने महत्ती भूमिका निभायी, नवजागरण में हिंदी साहित्य की भूमिका, हिंदी साहित्य का आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकास और भारतेंदु से शुरू हुआ आधुनिक हिंदी का साहित्य अपने पड़ाव पार करता हुआ महावीर प्रसाद द्विवेदी से व्याकरण की दृष्टि से शुद्धता प्राप्त कर अनेक आयाम में अपने को विकसित कर आगे निरंतर बढ़ता रहता है | छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद में पन्त, प्रसाद निराला, महादेवी, मुक्तिबोध, अज्ञेय आदि कवियों की रचनाओं की जानकारी के साथ- साथ विश्व स्तर पर साहित्य में आयी नयी विचारधारा अस्तित्वाद, मार्क्सवाद, मोनोविज्ञान आदि का प्रभाव हिंदी साहित्य पर किस प्रकार रहा की जानकारी से अवगत होंगे | हिंदी गद्य साहित्य की विस्तृत जानकारी के साथ- साथ हिंदी साहित्य में नए आंदोलनों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे |

Course Details:

इकाई 1: भारतेन्दु युग - आधुनिक साहित्य के विकास की परिस्थितियाँ, फोर्ट विलियम कॉलेज की हिंदी, भारतेंदु से पूर्व के लेखकों की हिंदी तथा उनकी रचनाएँ, 1857 की क्रांति और हिंदी साहित्य | भारतेंदु युगीन प्रमुख लेखक एवं उनकी रचनाएँ, प्रमुख पत्रिकाएँ गद्य विधाओँ का विकास **(15L)**

इकाई 2: द्विवेदी युग तथा प्रेमचंद - हिंदी भाषा तथा साहित्य के विकास में महावीर प्रसाद द्वि वेदी का योगदान, सरस्वती पत्रिका की भूमिका, युग के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी कृतियाँ एवं प्रवृत्तियाँ, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीयता, हिंदी तथा नवजागरण एवं राष्ट्रवाद | प्रेमचंद का रचनाकर्म, प्रेमचंद के समकालीन लेखक-जैनेन्द्र, इलाचंद्र जोशी, भगवती चरण वर्मा आदि | **(10L)**

इकाई 3: छायावाद और प्रगतिवाद - छायावादी काव्य की विशेषताएँ, स्वच्छंदतावादी प्रभाव, जयशंकर प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा तथा सुमित्रानंदन पंत की रचनाएँ एवं प्रवृत्तियाँ, तुलनात्मक अध्ययन, राष्ट्रीय – सांस्कृतिक धारा |

इकाई 4: प्रगतिवाद का उदय, प्रमुख कारण तथा राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रगतिवादी लेखक और उनका साहित्य **(15L)**

इकाई 5 : छायावादोत्तर साहित्य :- प्रयोगवाद, नयी कविता, नयी कहानी तथा अन्य आंदोलन | प्रयोगवादी साहित्य और तारसप्तक, अस्तित्ववाद तथा मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद |

इकाई 6: स्वातंत्र्योत्तर साहित्य और भारत विभाजन, नयी कविता तथा नयी कहानी, प्रमुख लेखक तथा प्रवृत्तियाँ, जनांदोलन तथा साहित्य के संबंध, परवर्ती साहित्यिक प्रवृत्तियाँ तथा समकालीन परिदृश्य, लघु पत्रिकाओं की भूमिका, स्त्री-दलित साहित्य, हिंदीत्तर साहित्य(ओडिया, बंगला, राजस्थानी), प्रवासी साहित्य **(15L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,
2. हिंदी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास- मोहन अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, 150 रु
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 2017, 895 रु
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी तथा हिंदी नवजागरण-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, 2015, 750 रु
5. हिंदी साहित्य का इतिहास- सं –डॉ.नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2013, 265
6. प्रेमचंद और उनका युग-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018, 716 रु

7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2004, 150 रु
8. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2014, 750 रु
9. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012, 115 रु

Course code	**MAH 202**
Course Name:	हिंदी कहानी
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी कहानी की विभिन्न प्रवृत्तियों, रचनाकारों और कृतियों का परिचय देना है। आधुनिक हिंदी कहानी का ऐतिहासिक पक्ष, प्रवृत्तियाँ और रचनाकारों की जानकारी; इस काल खंड के प्रमुख रचनाकारों और उनकी कृतियाँ, कहानी के विभिन्न पक्षों और रचनाकारों से संबंधित आलोचनात्मक दृष्टि का अध्ययन कराया जाएगा।	
Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी हिंदी कहानी साहित्य के प्रति अपनी समझ विकसित कर सकेंगे | विविध सामाजिक समस्याओं तथा अन्य घटना-प्रसंगों को कैसे रचनात्मक स्तर पर चित्रित किया जा सकता है इसे समझ सकेंगे | साहित्य के जरिए समाज के प्रति एक नूतन भाव बोध निर्मित होगा | सृजनात्मक एवं समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा |	
Course Details:	
इकाई 1: आरंभिक काल - हिंदी कहानी – अवधारणा, स्वरूप एवं तत्व, हिंदी कहानी का उद्भव और विकास | **(10L)** **इकाई 2**: प्रमुख हिंदी कहानियाँ-1 - चंद्रधर शर्मा गुलेरी-उसने कहा था, प्रेमचंद- कफ़न, जयशंकर प्रसाद-आकाशदीप **(10L)** **इकाई 3**: प्रमुख हिंदी कहानियाँ-2 - जैनेन्द्र-अपना अपना भाग्य, उषा प्रियंवदा-वापसी, अज्ञेय-रोज, यशपाल-परदा **(10L)** **इकाई 4**: प्रमुख हिंदी कहानियाँ-3 - रेणु-लाल पान की बेगम, भीष्म साहनी - अमृतसर आ गया है, कमलेश्वर – राजा निरबंसिया **(10L)** **इकाई 5**: प्रमुख हिंदी कहानियाँ -4 - शेखर जोशी-कोसी का घटवार, हरिशंकर परसाई-इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर, ज्ञानरंजन-पिता **(10L)** **इकाई 6**: हिंदी कहानी और विविध विमर्श – स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, प्रवासी लेखन **(10L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. कहानी : नयी कहानी-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2016, मूल्य 300 रू. 2. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2014, मूल्य 250 रू. 3. एक दुनिया समानांतर (भूमिका), राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 795 रू. 4. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2016, मूल्य 695 रू. 5. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2015, मूल्य 400 रू. 6. हिंदी कहानी संवेदना और संरचना - साधना शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014, मूल्य 200 रू.	

Course code	MAH **203**
Course Name:	हिंदी उपन्यास
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी उपन्यासों के इतिहास, ऐतिहासिक विकास और उपन्यास की अवधारणा और समकालीन परिदृश्य से परिचित करवाना है। जिसका उद्देश्य हिंदी उपन्यास विधा के उदय की ऐतिहासिक स्थितियों का परिचय देना और आरंभिक हिंदी उपन्यासों का वर्णन, प्रेमचंदयुगीन उपन्यास कला का सविस्तार परिचय, हिंदी के प्रमुख उपन्यासों का पाठगत अध्ययन व विश्लेषण, उपन्यास की वर्तमान स्थिति और प्रवृत्तियों का अध्ययन है।	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि उपन्यास विधा न केवल मनोरंजन का आधार मात्र है, अपितु समाज के बदलाव और परिवर्तन में इनकी महती भूमिका है। ऐतिहासिक पात्रों और आंचलिक पात्रों की	

स्थितियों, परस्पर उनके व्यवहार, मनोविज्ञान और प्रदेय को समझ सकेंगें । क्षेत्र विशेष की संस्कृति और वहां के लोकजीवन का मूल्याङ्कन कर सकेंगे।

Course Details:

इकाई 1: उपन्यास **:** उदय के सामाजिक, ऐतिहासिक कारण एवं परिस्थितियां, हिंदी उपन्यास एवं मध्यवर्ग

इकाई 2 : भारतेन्दुयुगीन प्रमुख हिंदी उपन्यास व प्रवृतियाँ, उपन्यास व तिलिस्म-रोमांच, उपन्यास की प्रमुख धाराएं

इकाई 3: प्रेमचंद युगीन उपन्यास प्रेमचंद और उनके उपन्यास –सामान्य परिचय, गोदान का पाठगत अध्ययन व विश्लेषण – गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य,आदर्श और यथार्थवाद, गोदान शीर्षक की सार्थकता,गोदान की समस्याएँ, गोदान भारतीय किसान की ट्रेजडी,गोदान का उद्देश्य **(15L)**

इकाई 4**:** प्रेमचंदोत्तर उपन्यास बाणभट्ट की आत्मकथा – उपन्यास या जीवनी, अदृम्न प्रेम, सामंती जीवन का उत्सवी चित्रण, इतिहास और कवि कल्पना, बाणभट्ट, भट्टिनी और निपुणिका का चरित्र,

इकाई 5: शेखर एक जीवनी-अज्ञेय- विवरणात्मक अध्ययन विद्रोही चेतना, व्यक्ति एवं स्वातंत्र्य की खोज,

इकाई 6 अन्य रचनाकार व उपन्यास: मानस का हंस या रागदरबारी का सामान्य परिचय **(10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. प्रेमचंद युगीन भारतीय समाज - डॉ. इंद्रमोहन कुमार सिन्हा, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, संस्करण 1974, मूल्य 15 रु.
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2017, मूल्य 150 रु.
3. साहित्य और समाज - विजयदान देथा , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2014, मूल्य 250 रु.
4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2010, मूल्य 210 रु.
5. नई पीढ़ी के लिए गोर्की, प्रेमचन्द, लू शुन - राणा प्रताप, गार्गी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2018, मूल्य 80 रु.
6. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2015, मूल्य 120 रु.
7. बाणभट्ट की आत्मकथा पाठ और पुनर्पाठ—सं मधुरेश, आधार प्रकाशन, हरियाणा, संस्करण 2007, मूल्य 350 रु.

Course code	**MAH 204**
Course Name:	**शोध पत्र एवं प्रारूप लेखन**
Credit, Mode:	**4, LTP: 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्न पत्र में शोध सैद्धांतिकी का विवेचन एवं विश्लेषण किया जाएगा | इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना तथा शोध के सभी घटक तत्वों का परिचय देना है, जिससे कि विद्यार्थियों में शोध एवं सृजनात्मक क्षमता विकसित होगी | । इससे विद्यार्थियों की शोध में रूचि उत्पन्न होने के साथ-साथ शोध की समझ भी विकसित होगी |

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि वर्त्तमान परिदृश्य में शोध का कितना महत्वपूर्ण स्थान है | विद्यार्थी शोध पत्र लिखना सिख जाएंगे | शोध से सम्बंधित सभी पहलुओं की उन्हें जानकारी होगी | आने वाले समय में वे स्वयं अपने शोध का प्रारूप निर्माण करने में सक्षम होंगे | भविष्य में पीएच.डी. अथवा अन्य शोध कार्यों में वे पूर्ण शोध की पूर्ण समझ के कारण वे पूर्ण विश्वास के साथ अपने शोध कार्य को अंजाम दे पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: शोध की अवधारणा एवं स्वरूप, शोध के उद्देश्य, शोध का महत्त्व, शोध के तत्व **(10L)**

इकाई 2: शोध की प्रक्रिया, शोध की पद्धतियाँ, शोध के प्रकार, शोधार्थी के गुण **(10L)**

इकाई 3: विषय चयन, सामग्री संकलन के स्रोत एवं विधियाँ, संकलित तथ्यों एवं सामग्री का परिक्षण, वर्गीकरण **(10L)**

इकाई 4: शोध पत्र लेखन - विषय चयन, शीर्षक निर्धारण, प्रस्तावना, विषय विवेचन एवं विश्लेषण, संदर्भ उल्लेख, निष्कर्ष, सन्दर्भ सूची **(10L)**

इकाई 5: प्रारूप लेखन – शोध कार्य का अध्याय विभाजन, अध्याय शीर्षक, उपशीर्षक, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सन्दर्भ उल्लेख, पाद टिप्पणी, सन्दर्भ सूची, उपसंहार, सहायक ग्रंथों की सूची, परिशिष्ट **(10L)**

इकाई 6: लिखित रूप में सिनोप्सिस (40 पृष्ठों तक) लिखकर विभाग में जमा करवाना **(10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. शोध प्रविधि, डॉ. विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सं. 1973
2. शोध प्रविधि, मैथिलि प्रसाद भारद्वाज, आधार प्रकाशन, पंचकुला, संस्करण 2005
3. शोध और सिद्धांत, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, सं. 1961
4. हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2007
5. शोध प्रविधि, डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, सं. 2006
6. अनुसंधान प्रविधि: सिद्धांत और प्रक्रिया, प्रो. एस. एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2012

Course code	MAH **205**
Course Name:	समाचार एवं विज्ञापन लेखन
Credit, Mode:	**2, LTP : 2+0+2**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मीडिया के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सक्षम बनाना है | इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों की विज्ञापन एवं समाचार के प्रति समझ विकसित होगी | विद्यार्थी विज्ञापन एवं समाचार के स्वरूप एवं कारक तत्वों से अवगत हो पाएंगे | इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है विज्ञापन एवं समाचार लेखन प्रविधि का छात्रों को ज्ञान प्रदान कर उन्हें विज्ञापन एवं समाचार लेखन में निपुण बनाना |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन एवं मीडिया लेखन में क्या नातर होता है | विद्यार्थी समाचार एवं विज्ञापन लेखन की बारीकियों को जान पाएंगे | वे सफलतापूर्वक विज्ञापन एवं संचार लेखन कर इस क्षेत्र में कार्य करने हेतु सक्षम हो पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: समाचार**:** अवधारणा एवं स्वरूप, समाचार के कारक तत्व **(4L)**

इकाई 2: समाचार के प्रकार, समाचार लेखन प्रविधि, 21 वीं सदी में समाचार का महत्त्व **(4L)**

इकाई 3: विज्ञापन**:** अवधारणा एवं स्वरूप, विज्ञापन के कारक तत्व, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन लेखन प्रविधि **(4L)**

इकाई 4: विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन लेखन प्रविधि, 21 वीं सदी में विज्ञापन का महत्त्व **(4L)**

इकाई 5: समाचार लेखन की प्रायोगिक तैयारी करवाकर विद्यार्थियों के लेखन कौशल को विकसित करना | **(7L)**

इकाई 6: विज्ञापन लेखन की प्रायोगिक तैयारी करवाकर विद्यार्थियों के लेखन कौशल को विकसित करना | **(7L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. समाचार लेखन – पी. के. आर्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2016, मूल्य 250 रू.
2. मीडिया लेखन – सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 250 रू.
3. मीडिया और बाजारवाद – सं. रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 350 रू.
4. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 200 रू.
5. मीडिया हूँ मैं – जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर, सं. 2014, मूल्य 550 रू.

Course code	**MAH 206**
Course Name:	वक्तृत्व कौशल विकास (AEC)
Credit, Mode:	**2, LTP : 1+0+2**

Course Objectives: यह प्रश्न पत्र कौशल विकास पर आधारित है | इस प्रश्न पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में वक्तृत्व कौशल का विकास करना है | इसमें वक्तृत्व कला का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा | इस प्रश्न पत्र में अध्यापन पर अधिक बल न देते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वक्तृत्व कला को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा |

Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थी वक्तृत्व के महत्त्व से अवगत हो पाएंगे तथा अपने वक्तृत्व कला से सम्बंधित सभी सकारात्मक आयामों को जान पाएंगे | वक्तृत्व कला के सभी गुणों से अवगत होकर एक सफल वक्ता बन पाएंगे | यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों की झिझक एवं को समाप्त कर उनके आत्मविश्वास को वृद्धिंगत करेगा | भविष्य में किसी भी क्षेत्र में कार्यरत होने पर विद्यार्थी वक्तृत्व कौशल के सम्बन्ध में प्राप्त ज्ञान का समुचित उपयोग कर पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: वक्तृत्व कौशल का महत्त्व, अध्ययन एवं वक्तृत्व में अंतर, सफल वक्तृत्व के कारक तत्व **(3L)**

इकाई 2: वक्तृत्व कौशल के विविध आयाम, वक्तृत्व कौशल में व्यक्तित्व की भूमिका **(3L)**

इकाई 3: वक्तृत्व कौशल विकास हेतु छात्रों की प्रायोगिक सहभागिता **(20 L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. भाषण कला – महेश शर्मा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2013, मूल्य 350 रू.
2. संबोधन के सोपान – जे.आर.डी. टाटा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2015, मूल्य 350 रू.
3. सफल वक्ता सफल व्यक्तित्व, उज्जवल पाटनी, डायमण्ड पॉकेट बुक्स, सं. 2007, मूल्य 250 रू.
4. आओ, बनें सफल वक्ता – सूर्या सिन्हा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2010, मूल्य 250 रू.

Course code	**MAH 301**
Course Name:	आधुनिक हिंदी कविता
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक हिंदी कविता के ऐतिहासिक विकास से परिचित करवाना है । साथ ही आधुनिक हिंदी कविता का पाठगत अध्ययन व विश्लेषण का अध्ययन है । इस प्रश्नपत्र में आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवियों की समालोचना, कविताओं का आलोचनात्मक विवेचन, काव्य सौंदर्य, उपादेयता एवं प्रासंगिकता का अनुशीलन अपेक्षित है ।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, आधुनिकीकरण आदि शब्दावलियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे | आधुनिक युग ने हिंदी कविता के विषय,स्वरूप, प्रवृत्ति आदि में किस प्रकार परिवर्तन किया, वह किस प्रकार समाज से जुड़ती है जूझती है आदि की जानकारी आधुनिक कवियों उनकी प्रसिद्ध कविताओं के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे | साथ ही बदलते परिवेश में कविता रचना किस प्रकार बिम्बों की रचना करती है, नए प्रतीक गढ़ती है इन सब से अवगत हो पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1 : अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध -प्रिय प्रवास (14-17), मैथिलीशरण गुप्त-साकेत नवम सर्ग, (10 L)

इकाई 2 : जयशंकर प्रसाद- श्रद्धा, लज्जा एवं इड़ा सर्ग (कामायनी), सुमित्रानंदन पंत- परिवर्तन, प्रथम रश्मि,

इकाई 3 : निराला- राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति; महादेवी वर्मा- बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ। (**20** L)

इकाई 4 : अज्ञेय- असाध्यवीणा; मुक्तिबोध-अंधेरे में, ब्रह्मराक्षस,

इकाई 5: नागार्जुन- अकाल और उसके बाद, कालिदास

इकाई 6 : दिनकर –रश्मिरथी धूमिल-मोचीरा; भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फरोश, **(15 L)**,

संदर्भ पुस्तकें :-

1. छायावाद-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली , 2006, 200 रु
2. अनभै साँचा, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012. 495 रु
3. निराला की साहित्य साधना, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016, 2.687 रु
4. मुक्तिबोध रचनावली, नेमिचंद्र जैन (सं.), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007, 4,200 रु
5. कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2015, 350 रु
6. महादेवी वर्मा, इंद्रनाथ मदान (सं.), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,2018, 536 रु
7. अपने-अपने अज्ञेय, ओम धानवी (सं.) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2011, 1500 रु

Course code	**MAH 302**
Course Name:	**राजस्थानी लोक संस्कृति और साहित्य**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को राजस्थानी लोकसाहित्य से परिचित कराना और उन्हें इस विषय के अध्ययन के लिए प्रेरित करना है। समाज, सभ्यता, संस्कृति, वांग्मय, भाषा आदि को समझने के लिए, जानने के लिए, मनुष्य की आदिम प्रवृतियों जो उसके शिष्ट होने के बावजूद उसमें निहित है, उसे जानने के लिए लोक साहित्य अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। राजस्थानी लोकसाहित्य के तत्वों और प्रकारों, राजस्थानी लोकसाहित्य के विकास और उसके सौंदर्यशास्त्र से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

Learning outcome: - इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी आधुनिक जीवन को प्रभावित करने वाले कारकों को समझ सकेंगे, आधुनिक जीवन के स्वरुप का अनुमान कर सकेंगे, लोक साहित्य, लोक संस्कृति तथा युगीन सन्दर्भों के संघर्ष की विवेचना कर सकेंगें। लोक साहित्य में आधुनिक युग के परिवर्तनों और लोक मानस की वर्तमान स्थिति को पहचान सकेंगें। हमारे देश में विरासत ही है, जो आज भी अपनी अनूठी पहचान लिए हुए है। संयुक्त परिवार भी इस श्रेणी में आता है। उन सब का बोध होगा। छात्र अपनी समृद्ध परम्परों पर गौरव करेंगे और समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, जड़मूल परम्पराओं को दूर कर समतामूलक समाज के निर्माण में सहयोग करेंगे।

Course Details:

इकाई 1: इतिहास और समाज - लोक, लोक वार्ता, लोक साहित्य परिचय एवं स्वरुप। **(7 L)**

इकाई 2: लोक संस्कृति और साहित्य – लोक विश्वास और आचरण, रीति-रिवाज, लोक देवता, पर्व त्योहार, लोक-गीत, लोक कथाएँ, लोक गाथाएं, कहावतें, मुहावरे | **(8 L)**

इकाई 3: लोक-नाट्य- विषय वस्तु और परिप्रेक्ष्य, राजस्थान के प्रमुख लोक नाट्य-ख्याल (कुचामणि, तुर्रा-कलंगी) पड़/फड़ (पाबूजी की पड़, देवनारायण की पड़) | **(10L)**

इकाई 4: प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य - ढोला मारू रा दूहा- (ढोलामारू रा दूहा, संपादक नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक, रामसिंह, संशोधित द्वितीय संस्करण, वर्ष 2005, प्रकाशक, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर) (20 चयनित पद (पद सं.1, 12, 15, 20, 43, 69, 94, 112, 136, 174, 201, 241, 278, 306, 338, 347, 398, 598, 651, 668) | ढोला मारू रा दूहा : एक प्रेम कहानी, ढोला मारू रा दूहा में प्रेम वर्णन, ढोला मारू रा दूहा में संयोग श्रृंगार, ढोला मारू रा दूहा में वियोग श्रृंगार **(15 L)**

इकाई 5 : बातां री फुलवारी भाग 1- विजयदान देथा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, द्वितीय संशोधित संस्करण, 2007, 5 चयनित कहानियाँ (चौधरण री चतराई, ठाकर रो आसण, बोली-बोली रो फरक, मूंछ-मूंछ रो फरक, जंवाई वालौ कागद) | तीन बीसी पार –नंद भारद्वाज (सं) चयनित 3 कहानियां | तीन बीसी पार- संपादक नंद भारद्वाज, पहला संस्करण, 2007, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया तीन चयनित कहानियां :- भारमली भाजी कोनी - रामकुमार ओझा 'बुद्धिजीवी', मौसम अर पैली तारीख- ज़ेबा रसीद, दूजी लुगाई- नंद भारद्वाज **(10L)**

इकाई 6: राजस्थानी 5 चयनित कविताएँ - धरती धोरां री – कन्हैया लाल सेठिया, सैनाणी –मेघराज 'मुकुल' माटी थनै बोलणौ पड़सी - रेंवतदान चारण, दुरभक रौ सांग – रामस्वरूप किसान, प्रीत भाग -1- विनोद स्वामी **(10 L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. भारतीय लोक नाट्य, डॉ. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2011, मूल्य 200 रु.
2. लोक साहित्य- डॉ. सुरेश गौत्तम, संजय प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008 मूल्य 600 रु.
3. राजस्थानी साहित्य का इतिहास -हरदान हर्ष, रचना प्रकाशन, जयपुर, संस्करण, 2015, मूल्य 150 रु.
4. राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा - डॉ. जय सिंह नीरज, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, संस्करण, 2013, मूल्य 105
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य - मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, संस्करण 2006, मूल्य 250 रु.
6. राजस्थानी लोकजीवन शब्दावली, ब्रजमोहन जावलिया, साहित्य अकादमी, दिल्ली, संस्करण 2001, मूल्य 400 रु.
7. लोक साहित्य विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, संस्करण 2007, मूल्य 450 रु.

Course code	MAH **303**
Course Name:	भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को साहित्य शास्त्र के विभिन्न पक्षों से परिचित कराया जाएगा। इस प्रश्नपत्र से विद्यार्थी साहित्य शास्त्र के विभिन्न सैद्धांतिक पक्ष, भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांत एवं विद्वानों का परिचय, पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांत एवं विद्वानों का परिचय हासिल कर पाएँगे।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे। इन सिद्धांतों के आधार पर साहित्य विवेचन की नूतन दृष्टि विकसित कर पाएंगे। भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन के अध्ययन के द्वारा दोनों के मूलभूत भेद को समझ पाएंगे | साहित्य समीक्षा के नूतन मानदण्ड निर्धारित कर पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1: भारतीय साहित्य चिंतन-1- भारतीय साहित्य चिंतन परंपरा का ऐतिहासिक विकास, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण **(12 L)**

इकाई 2: भारतीय साहित्य चिंतन-2 - सामान्य परिचय: रस, रस निष्पति, साधारणीकरण, ध्वनि, अलंकार (**10 L)**

इकाई 3: भारतीय साहित्य चिंतन-3 - सामान्य परिचय: वक्रोत्ति, रीति, औचित्य (**8 L)**

इकाई 4: पाश्चात्य साहित्य चिंतन-1- प्लेटो व अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, अरस्तू का विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस का उदात्त तत्व (**10L)**

इकाई 5: पाश्चात्य साहित्य चिंतन-2 - वर्ड्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत, कालरिज का कल्पना सिद्धांत **(10L)**

इकाई 6: पाश्चात्य साहित्य चिंतन-3 - सामान्य परिचय: रिचर्ड्स, इलियट के साहित्य सिद्धांत (**10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2006, मूल्य 500 रू.
2. काव्यशास्त्र के मानदण्ड – रामनिवास गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014, मूल्य 395 रू.
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – गणपतिचन्द्र गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 360 रू.
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2016, मूल्य 500 रू.
5. भारतीय काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2010, मूल्य 125 रू.
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. संदीप रणभिरकर, कल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 595

Course code	MAH **304**
Course Name:	रचनात्मक लेखन (AEC)
Credit, Mode:	**2, LTP : 2+0+2**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सक्षम बनाना है | इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखन के प्रति समझ विकसित होगी | विद्यार्थी कहानी लेखन, कविता लेखन, निबंध लेखन, उपन्यास लेखन आदि के स्वरूप एवं कारक तत्वों से अवगत हो पाएंगे | इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है रचनात्मक लेखन प्रविधि का छात्रों को ज्ञान प्रदान कर उन्हें लेखन में निपुण बनाना |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन में क्या अंतर होता है | विद्यार्थी कहानी, निबंध, कविता, उपन्यास, नाटक आदि के लेखन की बारीकियों को जान पाएंगे | वे सफलतापूर्वक साहित्य की विविध विधाओं में लेखन करने में सक्षम हो पाएंगे |

Course Details:

इकाई 1 : कविता लेखन, कहानी लेखन, उपन्यास लेखन **(5L)**

इकाई 2 :- लघुकथा, नाटक लेखन, निबंध लेखन **(5L)**

इकाई 3: - कविता, कहानी, निबंध, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रायोगिक तैयारी करवाकर विद्यार्थियों के लेखन कौशल को विकसित करना | (20**L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2012, मूल्य 450 रू.
2. रचनात्मक लेखन – सुरेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, सं. 2008, मूल्य 130
3. सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली, सं. 2014, मूल्य 895
4. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, सं. 2006, मूल्य 650

Course code	MAH **305**
Course Name:	इंटर्नशिप / ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण
Credit, Mode:	**2, LTP : 2+0+2**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सक्षम बनाना है | इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों की रचनात्मक लेखन के प्रति समझ विकसित होगी | विद्यार्थी कहानी लेखन, कविता लेखन, निबंध लेखन, उपन्यास लेखन आदि के स्वरूप एवं कारक तत्वों से अवगत हो पाएंगे | इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है रचनात्मक लेखन प्रविधि का छात्रों को ज्ञान प्रदान कर उन्हें लेखन में निपुण बनाना |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन में क्या अंतर होता है | विद्यार्थी कहानी, निबंध, कविता, उपन्यास, नाटक आदि के लेखन की बारीकियों को जान पाएंगे | वे सफलतापूर्वक साहित्य की विविध विधाओं में लेखन करने में सक्षम हो पाएंगे |

Course Details:

Industree / Internship/ Summer Training इंटर्नशिप / ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण हेतु प्रस्तावित क्षेत्र -

1. **प्रिंट मीडिया**
2. **इलेक्ट्रॉनिक मीडिया**
3. **प्रोफेशनल प्रूफ रीडर**
4. **कोचिंग/ विद्यालय/ महाविद्यालय में अध्यापन**
5. **पब्लिकेशन हाउसेस**
6. **आकाशवाणी, दूरदर्शन, एफ़. एम.**

7. अनुवाद कार्य – हिंदी विभाग अथवा अन्य कोई संस्थान में कार्य **8. सभी सरकारी कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी के यहाँ कार्य** **9. DIPR कार्यालय PRO कार्यालय में कार्य** **10. कला संरक्षण कार्यालय / एन जी ओ के यहाँ कार्य** **11. श्रुति परंपरा में उपलब्ध साहित्य का रिकॉर्ड एवं लेखन (हेला ख्याल, ग्रामीण गीत, भजन आदि)** **12. साहित्य संग्रालय, पाण्डुलिपि संरक्षण**
संदर्भ पुस्तकें :-
1.

Course code	**MAH 401**
Course Name:	**हिंदी नाटक और रंगमंच**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी नाटक के उदय और परम्परा से परिचित करवाना है। रंग मंचके निर्माण, रंग मंचीय रचना विधान से परिचित करवाना। संस्कृत नाटकों, भारतेन्दु युगीन नाटकों, द्विवेदी युगीन नाटकों और प्रसाद युगीन नाटकों की पृष्ठभूमि और नाटककारों के रचना कौशल से अवगत करवाना है। साथ ही परम्परागत और व्यावसायिक नाट्यकर्म के साथ साथ आधुनिक रंगमंच के विकास की परिधि से अवगत करवाना है।	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी व्यावसायिक, अव्यवसायिक रंगमंच और लोक नाट्यों के रचना विधान को समझ सकेंगे। समकलीन रंगमंच, अभिनय कला, भारतेन्दु युगीन नाटकों, द्विवेदी युगीन नाटकों और प्रसाद युगीन नाटकों से उत्पन्न सामाजिक चेतना से परिचित हो सकेंगे। पात्र- परिकल्पना के पीछे छिपी नाटककार की दृष्टि तथा पात्रों के माध्यम से व्यक्त हुई मानवीय मूल्यों से परिचित हो सकेंगे ।	
Course Details:	
इकाई 1 **:** नाटक और रंगमंच परिभाषा और स्वरूप, नाटक की उत्पत्ति के सिद्धांत, नाटक के तत्व, नाटक की कार्य व्यस्थाएं, अर्थ प्रकृतियाँ, संधियाँ, वृतियां, अभिनय। (8 L) इकाई 2 : रंगमंच के विकास के चरण- संस्कृत रंगमंच, व्यावसायिक रंगमंच, अव्यावसायिक रंगमंच, पारम्परिक रंगमंच (लोक रंगमंच)। (7 L) इकाई 3 : अंधेर नगरी :- अंतर्वस्तु और प्रासंगिकता, लोकधर्मिता, अंधेर नगरी की भाषा। (10 L) इकाई 4 : ध्रुवस्वामिनी –अंतर्वस्तु, प्रासंगिकता, स्त्री विमर्श के परिप्रेक्ष्य में ध्रुवस्वामिनी अंधायुग:- नाट्य रूप, भाषा, संवाद शिल्प, प्रासंगिकता, आधुनिकताबोध (15 L) इकाई 5 :-आधे-अधूरे :- नामकरण, मूल संवेदना, माध्यम वर्ग के जीवन के संघर्ष एवं तनाव, रंगभाषा । (10 L) इकाई 6 :- हिंदी नाटक का वर्तमान परिदृश्य :- प्रमुख नाटक एवं नाटककार, प्रमुख प्रवृतियाँ। **(**10 L)	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. रंग दस्तावेज़ सौ साल (दो खंड)- महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2007, मूल्य 2500 रु. 2. नाट्य शास्त्र विश्वकोश (चार भाग), राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1999, मूल्य 4000 रु. 3. हिन्दी दशरुपक -डॉ. भोला शंकर व्यास, चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, संस्करण 2015, मूल्य 160 रु. 4. काव्य के रूप- गुलाबराय, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, संस्करण 2012, मूल्य 170 रु. 5. हिंदी नाटक और रंगमंच : नई दिशाएं, नए प्रश्न - गिरीश रस्तोगी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1999, मूल्य 35 रु. 6. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद , संस्करण 2008, मूल्य 65 रु. 7. हिंदी नाटक का आत्म संघर्ष - गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद , संस्करण 2008, मूल्य 100 रु. 8. हिंदी नाटक- बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नई दिल्ली, संस्करण 2015, मूल्य 95 रु.	

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1996, मूल्य 140 रु.
10. हिंदी आलोचना का विकास - मधुरेश सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 2015, मूल्य 120 रु.

Course code	**MAH 402**
Course Name:	**हिंदी के अन्य गद्य रूप**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस प्रश्नपत्र में हिंदी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय एवं अध्ययन कराया जाएगा। इसमें निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा-वृतांत एवं पत्र साहित्य जैसी विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी की अन्य गद्य विधाओं के प्रति विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करते हुए उसके विकास क्रम को दर्शाना है |	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी हिंदी गद्य के विभिन्न रूपों को समझ सकेंगे। कथात्मक एवं कथेतर गद्य से अवगत हो पाएंगे | निबंध, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रावृत्त, आत्मकथा, जीवनी आदि विधाओं के तत्व, विशेषताओं एवं पारस्पारिक अंतर को समझ पाएंगे। अकाल्पनिक गद्य विधाओं की आवश्यकता एवं वर्त्तमान परिवेश में उनकी प्रासंगिकता से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे ।	
Course Details:	
इकाई 1 : निबंध - भारतेंदु हरिश्चंद्र-भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है, बालकृष्ण भट्ट- शिव शम्भू के चिट्ठे , अध्यापक पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम, महावीर प्रसाद द्विवेदी-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, रामचंद्र शुक्ल-कविता क्या है, हजारी प्रसाद द्विवेदी-नाख़ून क्यों बढ़ते हैं, विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है **(15 L)**	
इकाई 2 : आत्मकथा एवं जीवनी – मन्नू भंडारी -एक कहानी यह भी, तुलसीराम-मुर्दहिया, विष्णु प्रभाकर-आवारा मसीहा **(15 L)**	
इकाई 3: - संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृतांत - महादेवी वर्मा- अतीत के चलचित्र, अज्ञेय-अरे यायावर रहेगा याद **(15 L)**	
इकाई 4:- - रिपोर्ताज एवं व्यंग्य - धर्मवीर भारती -जमालपुर और तदुपरांत, हरिशंकर परसाई -भोलाराम का जीव **(10 L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. हिंदी गद्य: इधर की उपलब्धियां – पुष्पपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 250 रू. 2. आधुनिक हिंदी गद्य-साहित्य का विकास और विश्लेषण – विजय मोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, सं. 2015, मूल्य 280 रू. 3. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 400 रू. 4. हिंदी का आत्मकथात्मक साहित्य – चम्पा श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 400 रू. 5. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं. 2015, मूल्य 800 रू.	

Course code	**MAH 403**
Course Name:	**लघु शोध परियोजना**
Credit, Mode:	**6, LTP : 0+0+12**
Course Objectives: विद्यार्थियों में शोध कार्य विषयक रूचि निर्माण करने हेतु तथा उन्हें शोध कार्य में सक्रीय करने हेतु लघु शोध प्रबंध लेखन को चतुर्थ सत्र में अनिवार्य किया गया है | इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को उनके द्वारा चयनित विषय पर एक लघु शोध प्रबंध का लेखन करना होगा | इस कार्य में विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सभी अध्यापकों को छात्र आबंटित किए जायेंगे | इसका उद्देश्य छात्रों की शोध दृष्टि को विकसित करना है |	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी हिंदी में शोधकार्य करने हेतु सक्षम बन पाएंगे। अपने रूचि के क्षेत्र में शोध कार्य कर छात्र अपनी बौद्धिकता एवं चिंतानात्मकता को विकसित कर पाएंगे | भविष्य में शोधकार्य करने हेतु यह पाठ्यक्रम सहायक साबित होगा |	
Course Details:	

इकाई 1 : छात्र अपने चयनित विषय का विविध अध्यायों में विभाजन कर अपने शोध निर्देशक के मार्गदर्शन में इसी सत्र में शोधकार्य को पूर्ण कर उसकी सजिल्द प्रति विभाग में जमा करवाकर मौखिकी परीक्षा की तैयारी करेगा |

Course code	**MAH 501**
Course Name:	**कार्यालयीन हिंदी**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: हिंदी के प्रयोजन मूलक रूप का परिचय विद्यार्थियों को करवाकर हिंदी की विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय सोदाहरण देना | प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग ,पत्र लिखने की पद्धतियों का ज्ञान ,प्रेस विज्ञापन ,प्रेस नोट आदि की जानकारी ,कार्यालय के समस्त पत्राचारों का परिचय इसमें दिया जाएगा |	
Learning outcome: कार्यालयीन हिंदी के अध्ययन से कार्यालय की पारिभाषिक ,तकनिकी शब्दावलियों का ज्ञान प्राप्त होगा, | साथ साथ मसौदा लेखन ,टिप्पण लेखन कार्यालायीन समस्त पत्राचारों को लिखने की पद्धतियाँ , कलेवर,नमूना बनाने की प्रक्रिया के ज्ञान के साथ साथ अंग्रेजी एवं हिंदी कार्यालयीन शब्दों का बोध होगा | अधिसूचना ,टिप्पणी का प्रयोग टिप्पणियों के प्रकार देकर कार्यालयीन हिंदी के क्षेत्र में विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाना इस पत्र की विशेषता है कि भविष्य में कार्यालयी हिंदी के ज्ञान से वे हिंदी अधिकारी हिंदी टंकक ,हिंदी अनुवादक ,आशु अनुवादक आदि पदों को प्राप्त करने में सफल होंगे |	
Course Details:	
इकाई 1 : कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप और क्षेत्र, सरकारी पत्राचार – प्रकार, प्रयोग, स्वरूप, मसौदा लेखन – सामान्य सिद्धांत, अनुदेश और मसौदा लेखन अभ्यास **(15 L)** **इकाई** 2 : पत्र प्रकार, पावती अंतरीम उत्तर, स्मरण पत्र, आवेदन पत्र, प्रतिवेदन, अर्धसरकारी पत्र, कार्यालय आदेश **(10 L)** **इकाई** 3**:** पृष्ठांकन और कार्यक्रम, कार्यालय ज्ञापन स्वीकृति, कार्यालय ज्ञापन अनुमति, कार्यालय ज्ञापन अनुशासनिक, कार्यालय ज्ञापन सरकारी **इकाई 4:-** अधिसूचना, संकल्प, परिपत्र, सामान्य आदेश, स्वीकृति पत्र, नये पदों का सृजन, वित्तीय मंजूरी **(15 L)** **इकाई 5:-** टिप्पणी लेखन – सामान्य सिद्धांत, प्रकार, सहायक और अधिकारी स्तर की टिप्पणी, टिप्पणी लेखन – अभ्यास, सहायक स्तर की टिप्पणियाँ, अधिकारी स्तर की टिप्पणियाँ, अनुशासनिक कार्रवाई, अनुशासनिक अन्तर्विभागीय टिप्पणी, **इकाई 6:-** बैठकों समितियों का आयोजन, कार्यसूची, कार्रवाई, कार्यवृत्त, संसद कार्य, संसद प्रश्न, उत्तर का मसौदा अनुपूरक प्रश्नों की टिप्पणियाँ, सार लेखन, अभ्यास-पत्राचार के आधार पर, टिप्पणियों के आधार पर विनियमों के आधार पर **(15 L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. कार्यालय क्रियाविधि – चिरंजीलाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 2. सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. प्रशासनिक हिंदी निपुणता, हरिबाबू कंसल, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली 4. कार्यालयीन हिंदी, ठाकुरदास, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली 5. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली	

Course code	**MAH 502**
Course Name:	**तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: (संस्कृत, तेलगु, बंगला, उड़िया, मराठी, भाषाओं की हिन्दी में अनुदित कृतियों के विशेष संदर्भ में) इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को तुलनात्मक साहित्य का परिचय और अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनुदित रचनाओं को पढ़ाया जायेगा। बंगला, उड़िया, मराठी, राजस्थानी और उर्दू भाषाओं के साहित्यिक कालविभाजन की संक्षिप्त जानकारियां दी जाएगी और साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन सीखना इस प्रश्नपत्र का मूल उद्देश्य है।	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी तुलनात्मक साहित्य क्या है, यह किस प्रकार दो भाषा साहित्य का	

तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है इससे अवगत हो सकेगें | किन्हीं भी दो भाषा के साहित्य (कविता, कहानी, उपन्यास) की किसी भी विधा में किस प्रकार से तुलना की जा सकती है यह जानकारी प्राप्त कर सकेगा | भारतीय साहित्य विशेष (ओडिया, बंगला, मराठी, राजस्थानी, उर्दू) के इतिहास की जानकारी प्राप्त कर सकेगा |

Course Details:

इकाई 1 : तुलनात्मक साहित्य परिचय और अनुवाद - तुलनात्मक साहित्य का परिचय, अवधारणा, विकास और विविध संप्रदाय, तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के विविध प्रविधि और समस्याएं, तुलनात्मक साहित्य के क्षेत्र में अनुवाद का संक्षिप्त परिचय **(15 L)**

इकाई 2 : तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन के आयाम -1 (भारतीय साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय), तमिल, संस्कृत, बांग्ला और उड़िया साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय, मराठी, तेलगु साहित्य के काल विभाजन का संक्षिप्त परिचय **(10 L)**

इकाई 3: तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के आयाम-2 (कविता के क्षेत्र में), काव्य प्रयोजन, काव्य के रूप और कविता का ज्ञान,

इकाई 4: साहिर का 'ये किसका लहू है?' नज़्म/कविता, जीवनानंद दास की कविता 'बेला अबेला काल बेला' (माघ संक्रांति की रात, सूर्य नक्षत्र नारी), विजयदान देथा की कविता **(15 L)**

इकाई 5 :- तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के आयाम- 3 (कहानी, उपन्यास और नाटक के क्षेत्र में), कथ्य मीमांसा, कथ्य अभिग्रहण, रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानी 'त्याग' और 'व्यवधान',

इकाई 6: उपन्यास, नाटक, पाठ्यक्रम के अनुसार दो भाषाओं के कविता, कहानी और उपन्यास के आधार पर तुलना करना, कविता की कविता से, कहानी की कहानी से, उपन्यास की उपन्यास से **(15 L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. तुलनात्मक साहित्य-डॉ. नगेन्द्र (सं.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1985
2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य-इंद्रनाथ चौधुरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006, 300 रु
3. तुलनात्मक साहित्य सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य, हनुमान प्रसाद शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, 2015, 495 रु
4. तुलनात्मक अध्ययन: स्वरुप और समस्याएं , डॉ. भ.ह. राजूकर, डॉ. राजमल बोरा , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004, 200 रु
5. Comparative Literature : Theory and Practice- Amiya Dev & Sisir Kumar Das, Indian Institute of Advanced Study in association with Allied Publishers, New Delhi, 1989
6. A Comparative Perspective on Literature, Approaches to Theory and Practice, Edited Clayton Koelb and Susan Noakes, Cornell University Press, New York, USA, 1988
7. Death of a Discipline – Gayatri Chakravorty Spivak, Columbia University Press, 2005, 1517.59 रु

Course Code	**MAH 503**
Course Name:	**भारतीय उपन्यास**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: विभिन्न भारतीय उपन्यासों के अध्ययन से बहुभाषा समुदाय भारत की विराट उज्ज्वल सनातन भारतीय सांस्कृतिक ,राष्ट्रीय परिवेश का बोध करवाना ,विभिन्न भाषाओँ के उपन्यासकारों के रचना वैशिष्ट्य से परिचय करवाना ,टैगोर जैसे बहुमुख प्रतिभाशाली की रचनात्मक शैली ,राष्ट्रीयता ,उपन्यासकालीन परिस्थितियों से अवगत कराना ,अंत में उपन्यासों के अध्ययन के माध्यम से प्राप्त भिन्नता में प्राप्त एकता एवं भारतीयता की महिमा को अवगत कराना |

Learning outcome: भारत के विभिन्न प्रदेशों की जानकारी ,वहां प्राप्त भारतीय साहित्य की विस्तृत जानकारी मिलेगी जिससे विद्यार्थियों के मन में उदार भावनाओं का जन्म होकर संकीर्णताएँ मिट जायेगी | विराट साहित्य के विस्तृत पटल पर विभिन्न प्रकार के लेखकों की कृतियों का अध्ययन का सुअवसर मिलेगा | विभन्न भाषा के साहित्यकारों के भाषा कौशल ,वर्णन शैली ,उध्देश्य,देशभक्ति भाव आदि का ज्ञान मिलेगा जिससे उन्हें सम्पूर्ण भारतीय साहित्य का अध्ययन करने का सुअवसर मिलेगा ,व्यापक विचारों से विस्तृत ज्ञान से लाभान्वित होंगे |

Course Details:
इकाई 1: भारतीय उपन्यास का उद्भव और विकास **इकाई 2**.भारत में उपन्यास का विकास और विविध रूप (15**L**) **इकाई 3** प्रमुख उपन्यासों का अध्ययन- उमराव जान अदा-मिर्ज़ा हादी रूस्वा **(15 L)** इकाई 4: ययाति-विष्णु सखाराम खांडेकर,(15) **इकाई 5** गोरा-रवीन्द्रनाथ ठाकुर **(15 L)** इकाई 6 **: -** मछुआरे-तकषी शिवशंकर पिल्लई **(15 L)**
संदर्भ पुस्तकें :-
1. उपन्यास का उदय-आयन वाट, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़। 2. उपन्यास और लोकजीवन-राल्फ फॉक्स, पी.पी एच, नई दिल्ली। 3. उपन्यास का सिद्धांत-जार्ज लुकाच, मैकमिलन इंडिया, लिमिटेड, नई दिल्ली। 4. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं एवं प्रस्तावनाएं, के. सच्चिदानंदन, राजकमल, नई दिल्ली। 5. Novel in India, T.W. Clark 6. Realism and Reality- Minakshi Mukherji

Course code	**MAH 504**
Course Name:	**हिंदी का स्त्रीवादी साहित्य**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: हिंदी साहित्य में पुरुष रचनाकारों के साथ-साथ गुणवत्ता एवं परिमाण दोनों दृष्टियों से उत्कृष्ट लेखन कर रही हैं, अतः स्त्री लेखन के विविध आयामों से विद्यार्थियों को अवगत कराना ही इस प्रश्नपत्र का प्रधान उद्देश्य है | साथ ही स्त्री लेखन में स्त्री समस्याओं के साथ-साथ अन्य सामाजिक सरोकारों का भी किस प्रकार चित्रण किया जा रहा है यह भी इस पाठ्यक्रम के जरिए जाना जा सकेगा | विद्यार्थी को स्त्री लेखन की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा से अवगत कराया जाएगा |	
Learning outcome: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी स्त्री विमर्श की विविध संकल्पनाओं को समझ सकेगा | हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में लिखे गए स्त्री साहित्य का अध्ययन कर सकेगा | स्त्री लेखन के अध्ययन से विद्यार्थी स्त्री दृष्टि से भारत के सामाजिक सांस्कृतिक अध्ययन में सक्षम हो पायेगा | इससे उसके भीतर एक नूतन भावबोध विकसित होगा | विद्यार्थी स्त्री रचनाधर्मिता एवं पुरुष रचनाधर्मिता में अंतर कर पायेगा |	
Course Details:	
इकाई 1: स्त्रीवाद का सैद्धांतिक पक्ष - स्त्रीवाद: भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा एवं स्वरूप, प्रमुख स्त्रीवादी आन्दोलन, हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श **(10L)** **इकाई 2**: हिंदी स्त्री कहानी लेखन सामान्य परिचय (भाग 1) - हरी बिंदी – मृदुला गर्ग, प्रमोशन – चित्रा मुद्गल, फैसला – मैत्रेयी पुष्पा **(10L)** **इकाई 3:** हिंदी स्त्री कहानी लेखन सामान्य परिचय (भाग 2) - जांच अभी जारी है – ममता कालिया, आदमकद – सूर्यबाला, रहोगी तुम वही – सुधा अरोड़ा **(10L)** **इकाई 4:** हिंदी के महिला उपन्यासकार एवं उपन्यास - पचपन खम्भे लाल दीवारें – उषा प्रियंवदा **(10L)** **इकाई 5:** स्त्री आत्मकथा साहित्य का परिचय - प्रभा खेतान -अन्या से अनन्या **(10L)** **इकाई 6:** हिंदी की प्रमुख कवयित्रियाँ – एक परिचय - मीरां (चयनित 10 पद), सुभद्राकुमारी चौहान (झांसी की रानी, मेरा नया बचपन), महादेवी वर्मा (मैं नीर भरी दुःख की बदली), अनामिका (स्त्रियाँ) **(10L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	

1. औरत अस्तित्व और अस्मिता, अरविन्द जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 495 रू.
2. भारतीय नारी संत परम्परा, बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2011, मूल्य 250 रू.
3. स्त्री लेखन: स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2014, मूल्य 795 रू.
4. भविष्य का स्त्री विमर्श – ममता कालिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 350 रू.
5. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष – अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 595 रू.
6. सं. संदीप रणभिरकर, स्त्री सृजनात्मकता का स्त्री पाठ, कल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2016, मूल्य 1195 रू.

Course code	**MAH 505**
Course Name:	**अनुवाद सिद्धांत व व्यवहार**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुवाद की अवधारणा, विकास एवं सिद्धांत का परिचय, अनुवाद के लिए आवश्यक यंत्रों तकनीकों एवं कौशल का परिचय, अनुवाद के विभिन्न प्रकारों एवं नवीनतम परिवर्तनों की जानकारी देना
अनुवाद की परिभाषाएं ,उसकी महिमा का बोध कराना | अंग्रेजी एवं हिंदी के ज्ञान को समानातर रूप से अवगत कराना | विदेशी विद्वान् कैट फोर्ड ,जूलियाना हाऊस ,कसान्ग्रेदे जैसे विद्वानों के सिध्दांतों का अध्ययन करवाना |

Learning outcome:
अनुवाद के विभिन्न प्रकारों की चर्चा करते हुए अनुवाद क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रवीण बनवाना | हिंदी के अलावा अंग्रेजी का ज्ञान भी बढेगा जिससे आसानी से नौकरियां मिलेगी | दोनों भाषाओँ की पारिभाषिक शब्दावलियों की जानकारी मिलेगी | कई पद बंधों ,उपन्याओं ,कहानियों का अनुवाद करने की क्षमता बढ़ेगी |

Course Details:

इकाई 1 : अनुवाद अध्ययन का इतिहास - अनुवाद अवधारणा एवं स्वरूप, अनुवाद के प्रकार, महत्व
इकाई 2: अनुवाद की प्रक्रिया, भाषिक विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन **(15 L)**
इकाई 3 : अनुवाद सिद्धांत- पुनरीक्षण स्वरूप एवं प्रक्रिया, वाक्य रचना का प्रश्न
इकाई 4: अनुवाद की समस्याएँ, अनुवादक के गुण, अनुवाद के विविध सिद्धांत, समतुल्यता एवं अन्य अवधारणाएँ **(15 L)**
इकाई 5**:** अनुवाद के औजार, शब्दकोश की भूमिका, पारिभाषिक शब्दावली की समस्या, मशीनी अनुवाद/ कंप्यूटर अनुवाद **(10 L)**
इकाई 6:- विशेषीकृत अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, साहित्येतर अनुवाद **(15 L)**

1. संदर्भ पुस्तकें :- अनुवाद कला-डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
2. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत-जे.सी. कैटफोर्ड
3. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं अनुप्रयोग-नगेन्द्र
4. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग-जी. गोपीनाथन
5. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ-भोलानाथ तिवारी
6. पश्चिम में अनुवाद कला के मूल स्रोत-डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त

Course code	**MAH 506**
Course Name:	**मीडिया विमर्श: सिद्धांत और अनुप्रयोग**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: जनसंचार और पत्रकारिता का यह परिचयात्मक प्रश्नपत्र है जिसके उद्देश्य हैं-संचार की अवधारणा एवं सिद्धांतों का परिचय, भारत में जनसंचार माध्यमों के विकास का परिचय एवं संचार माध्यमों के प्रबंधन और आर्थिक पक्ष एवं नवीनतम परिवर्तनों की जानकारी देना।

Learning outcome: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी मीडिया का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कर पाने में सक्षम होगा | समाचार लेखन एवं पत्रकारिता के विविध आयामों से विद्यार्थी अवगत हो पायेगा | वर्तमान परिवेश में जनसंचार की भूमिका स्पष्ट हो जाएगी | जनसंचार में कैरियर निर्माण हेतु विद्यार्थी आवश्यक जानकारियाँ जुटा पाएंगे | मीडिया की सम्यक जानकारी छात्रों के लिए अत्यंत हितकारी होगी |

Course Details:

इकाई 1: मीडिया विमर्श : सैद्धांतिक विवेचन - जनसंचार का अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत, भारत में जनसंचार माध्यमों का विकास, लोकतंत्र और जनसंचार माध्यम **(15 L)**

इकाई 2: जनसंचार प्रौद्योगिकी औरर चुनौतियाँ, प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम, समाचार के तत्व, विशेषताएँ, समाचार के स्रोत, समाचार लेखन के प्रमुख सिद्धांत **(15 L)**

इकाई 3: जनसंचार और समाज, विकासमान पत्रकारिता, विकासशील समाज में जनसंचार की भूमिका, सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख कारक, जनसंचार में कैरियर निर्माण **(10 L)**

इकाई 4: जनसंचार हिंदी और बाजार - जनसंचार और हिंदी, हिंदी भाषा की संरचना, हिंदी का मानकीकरण, मीडिया की आर्थिकी, संस्कृति और बाजारवाद का बदलता स्वरूप **(15 L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. समाचार लेखन – पी. के. आर्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, सं. 2016, मूल्य 250 रू.
2. मीडिया लेखन – सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 250 रू.
3. मीडिया और बाजारवाद – सं. रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2019, मूल्य 350 रू.
4. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2018, मूल्य 200 रू.
5. मीडिया हूँ मैं – जयप्रकाश त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर, सं. 2014, मूल्य 550 रू.

Course code	**MAH 507**
Course Name:	**हिंदी का अस्मिता मूलक साहित्य**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अस्मितामूलक साहित्य की पहचान करवाना है। राष्ट्रीय स्तर पर नवीन विमर्शों के उदय के कारणों और परिणाम स्वरुप साहित्य सर्जन की पहचान करवाना है । इस पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थी समकालीन विमर्शों की पृष्ठभूमि से अवगत हो सकेंगे । साहित्य के क्षेत्र में आये परिवर्तन और उनके कारकों की पहचान करवाना प्रमुख ध्येय है ।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी अस्मितामूल्क साहित्य के सौंदर्यशास्त्र को समझ सकेंगे । स्त्रीवादी, दलित, किन्नर, वृद्ध और किसानों की समस्याओं को समझ सकेंगे साथ ही विविध विमर्शों के सौंदर्यशास्त्र को जान सकेंगे । समाज में प्रचलित स्त्री, दलित, किन्नर सम्बन्धी खोखली मान्यताओं एवं उनके जीवन को अभिशप्त बनाने वाले धर्मग्रन्थों का आलोचनात्मक मूल्याङ्कन कर सकेंगे ।

Course Details:

इकाई 1 : विविध विमर्श अवधारणा एवं स्वरूप :- स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, किसान विमर्श, वृद्ध विमर्श तथा अन्य विमर्श (10 L)

इकाई 2 : स्त्री विमर्श :- कविता - नागार्जुन- पाषाणी प्रतिमा, अनामिका -बेजगह, आलोक धन्वा- घर से भागी हुई लडकियां, कात्यायनी- सात भाइयों के बीच चम्पा, निर्मला पुतल - घर की तलाश (10 L)

इकाई 3 : दलित एवं आदिवासी विमर्श :- मोहनदास नैमिशराय- अपना गाँव, जय प्रकाश कर्दम -नोबार आदिवासी विमर्श :- रणेंद्र - 'ग्लोबल गाँव का देवता' उपन्यास का सामान्य परिचय (10 L)

इकाई 4 : किन्नर विमर्श :- चित्रा मुद्गल - 'पोस्ट बॉक्स नं 203 नाला सोपारा' उपन्यास का सामान्य परिचय (10 L)

इकाई 5 : किसान विमर्श :- चयनित कविताएँ- किसान – मैथिलीशरण गुप्त, डिप्टी साहब आ रहे हैं –निराला, पैतृक संपति -केदारनाथ अग्रवाल, फ़सल- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, इस आत्महत्या को अब कहाँ जोडूं –राजेश जोशी, मोटी कविता -विरेन डंगवाल, बैल व्यथा -मान बहादुर सिंह (10 L)

इकाई 6 : वृद्ध विमर्श : यशपाल-समय, भीष्म साहनी -खून का रिश्ता, सूर्यबाल - निर्वासित (10 L)

संदर्भ पुस्तकें :-

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र -ओमप्रकाश वाल्मीकि -राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2014, मूल्य 60 रु.
2. सौंदर्यशास्त्र - डॉ. ममता चतुर्वेदी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, संस्करण, 2015, मूल्य 145 रु.
3. धर्म और धर्म सत्ता - राजकिशोर (संपा.)वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण, 2015, मूल्य 150 रु.
4. आदिवासी साहित्य विधा : शास्त्र और इतिहास- डॉ.बापुराव देसाई,गरिमा प्रकाशन, संस्करण: 2013, मूल्य 300 रु.
5. आदिवासी दुनिया, हरिराम मीणा- नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, संस्करण: 2012,मूल्य 150रु.

Course code	**MAH 508**
Course Name:	**हिंदी का प्रवासी साहित्य**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्रवासी हिंदी साहित्य की पहचान करवाना है। विदेशों में भी किस प्रकार हिंदी साहित्य की विविध विधाओं किस प्रकार साहित्य की सृष्टि हो रही है इसका विद्यार्थियों को परिज्ञान कराना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है | इस पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थी प्रवासी जीवन की विविध समस्याओं से अवगत सकेंगे।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के सौंदर्यशास्त्र को समझ सकेंगे। विदेशी पृष्ठभूमि में देशी मन की सुन्दर अभिव्यक्ति से जुड़ सकेंगे | प्रवासी जीवन के चलते मानव जीवन में आए बदलाव को जान सकेंगे | देश-विदेश का कल्चरल शॉक, विस्थापन की पीड़ा, संस्कृतियों की टकराहट, आधुनिकता एवं परंपरा का द्वंद्व आदि को समझ पाएंगे | साथ ही हिंदी साहित्य में प्रवासी साहित्य के महत्त्व एवं स्थान को सुनिश्चित कर सकेंगे।

Course Details:

इकाई 1: प्रवासी हिंदी साहित्य: अवधारणा एवं सामान्य परिचय **(10L)**

इकाई 2: प्रवासी हिंदी उपन्यास साहित्य: सामान्य परिचय, लौटना – सुषम बेदी **(10L)**

इकाई 3: प्रवासी हिंदी कहानी साहित्य (भाग 1) – सामान्य परिचय, अभिमन्यु अनंत - अब कल आयेगा यमराज, उषा राजे सक्सेना - मेरे अपने, तेजेंद्र शर्मा- मुझे मार डाला बेटा, (**10L)**

इकाई 4: प्रवासी हिंदी कहानी साहित्य (भाग 1) – अर्चना पेन्यूली- मीरा बनाम सिल्विया, सुदर्शना प्रियदर्शनी –अखबार, जकिया जुबैरी - सांकल, सुधा ओम ढींगरा- कमरा नं. 103 (**10L)**

इकाई 5: प्रवासी हिंदी काव्य एवं अन्य विधाएँ – सामान्य परिचय, सत्येन्द्र श्रीवास्तव - सर विल्सन चर्चिल मेरी मां को जानते थे, अचला शर्मा – परदेस में बसंत की आहट (**10L)**

इकाई 6: अंजना संधीर- धुप, छाँव और आँगन, वेद प्रकाश 'वटुक'- बंधन अपने देश पराया (**10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. हिंदी का प्रवासी साहित्य - डॉ. कमल किशोर गोयनका, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, सं. 2011, मूल्य 500 रू.
2. हिंदी के यूरोपीय विद्वान: व्यक्तित्व एवं कृतित्व – मुरलीधर श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, सं. 2018
3. प्रवासी लेखन: नई जमीन, नया आसमान – अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली सं. 2019, मूल्य 895 रू.
4. ब्रिटेन में हिंदी रचनाकार – सं. राधाकान्त भारती, स्टार पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, सं. 2013, मूल्य 200 रू.

Course code	**MAH 509**
Course Name:	**विशेष अध्ययन: मीरां**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को मीरां के अध्ययन के अंतर्गत उनके संपूर्ण कृतित्व तथा उनके योगदान से अवगत कराया जाएगा। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है मीरां द्वारा रचित साहित्य, उनकी दृष्टि, युगीन स्थितियों तथा उनकी वैचारिकता को समझना। मीरां के लेखन के विविध आयामों का विवेचन भी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से किया जाएगा |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी मध्यकालीन काव्य के प्रति अपनी समझ को विकसित कर पायेगा | कृष्णभक्त काव्य परंपरा में मीरां के योगदान को सुनिश्चित कर पाएंगे | मीरां द्वारा रचित पदों का समीक्षात्मक अध्ययन | मीरां की भक्ति, प्रेम-भावना, अध्यात्म एवं मीरां का काव्य-शिल्प आदि का विवेचन कर पाएंगे | वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मीरां की प्रासंगिकता को स्पष्ट कर पाएंगे | भक्तिकाल में मीरां के योगदान एवं महत्त्व से अवगत हो सकेंगे |

Course Details:

इकाई 1: मीरां का व्यक्तित्व एवं भक्ति आन्दोलन - मीरां का जीवन-वृत्त, भक्ति आन्दोलन और मीरां

इकाई 2: मध्यकालीन परिस्थितियाँ और भक्ति साहित्य, कृष्ण भक्ति काव्यधारा और मीरां **(15L)**

इकाई 3: मीरां द्वारा रचित पदों का समीक्षात्मक अध्ययन - पुरोहित हरिनारायण द्वारा संपादित मीरा वृहत पदावली के चयनित 50 पदों का अध्ययन, **(15 L)**

इकाई 4: मीरां के काव्य के विविध आयाम – I - मीरां की भक्ति भावना, मीरां का दर्शन, मीरां के काव्य की अंतर्वस्तु **(10L)**

इकाई 5: मीरां के काव्य के विविध आयाम – II - मीरां के काव्य में आध्यात्म, मीरां के काव्य में वेदनानुभूति, मीरां के काव्य में प्रेम भावना **(15L)**

इकाई 6: मीरां के काव्य में प्रतिरोध की चेतना, मीरां का स्त्री विमर्श

संदर्भ पुस्तकें :-

1. मीराबाई और उनकी पदावली – प्रो. देशराजसिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 2012, मूल्य 100 रू.
2. मीराबाई की संपूर्ण पदावली, सं. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2013, मूल्य 125 रू.
3. मीरा का काव्य, विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1989, मूल्य 200 रू.
4. मीराबाई, डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली, सं. 1990,

Course code	**MAH 510**
Course Name:	**विशेष अध्ययन: प्रेमचंद**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कथा सम्राट प्रेमचंद के रचना कौशल का परिचय देना है। प्रेमचंदयुगीन समाज, उसकी मान्यताओं एवं समाज में व्याप्त वैषम्य से अवगत करवाना है। साहित्यकार की प्रगतिशीलता से परिचित करवाते हुए समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता से भी अवगत करवाना है।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि प्रेमचंद का कथा साहित्य समतामूल समाज के निर्माण में विशिष्ट भूमिका निभाता है। उनकी कहानियों एवं उपन्यासों के पात्र एवं संवाद शोषण विहीन समाज पर बल देते हैं। स्त्री, मजदूर और किसानों की पीड़ा से पूर्णतया अवगत हो सकेंगे साथ ही इस बात से भी अवगत हो सकेंगे कि प्रेमचंद का कथा साहित्य न केवल मनोरंजन का आधार है, अपितु समाज के बदलाव और परिवर्तन में इसकी महती भूमिका है। उनके पात्रों और उनकी स्थितियों, परस्पर उनके व्यवहार, मनोविज्ञान और प्रदेय को समझ सकेंगें।

Course Details:

इकाई 1: प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं जीवन दृष्टि, प्रेमचंद का साहित्य, प्रेमचंद का साहित्य और भारतीय परिवेश, प्रेमचंद का साहित्यिक विकास, । **(10 L)**

इकाई 2 : प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएं – साहित्य संबंधी विचार, कहानी संबंधी विचार, उपन्यास संबंधी विचार, यथार्थवादी और आदर्श संबंधी विचार । **(10 L)**

इकाई 3 : हिंदी कहानी और प्रेमचंद, प्रेमचंद की कहानियों की अंतर्वस्तु - सद्गति, मन्त्र, बड़े घर की बेटी, ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, दुनिया का अनमोल रतन। **(10 L)**

इकाई 4 : हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद, प्रेमचंद के उपन्यासों की अंतर्वस्तु। **(10 L)**

इकाई 5 : प्रेमचंद के कथा साहित्य के विविध आयाम – प्रेमचंद के कथा साहित्य में आर्थिक शोषण की प्रक्रिया, राष्ट्रवाद और प्रेमचंद, प्रेमचंद और दलित, प्रेमचंद और स्त्री । **(10L)**

इकाई 6 : रंगभूमि उपन्यास का सामान्य अध्ययन। रंगभूमि की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक पृष्ठभूमि, रंगभूमि और औद्योगिकीकरण की समस्या, रंगभूमि पर स्वाधीनता आंदोलन और गांधीवाद का प्रभाव। **(10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. प्रेमचंद युगीन भारतीय समाज - डॉ. इंद्रमोहन कुमार सिन्हा, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, संस्करण 1974, मूल्य 15 रु.
2. प्रेमचंद और भारतीय समाज - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2017, मूल्य 150 रु.
3. साहित्य और समाज - विजयदान देथा , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2014, मूल्य 250 रु.
4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2010, मूल्य 210 रु.
5. नई पीढ़ी के लिए गोर्की, प्रेमचन्द, लू शुन - राणा प्रताप, गार्गी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2018, मूल्य 80 रु.
6. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2016, मूल्य 595 रु.
7. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण 1996, मूल्य 75रु.

Course code	**MAH 511**
Course Name:	**विशेष अध्ययन: गुरू जम्भेश्वर**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: राजस्थान के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र के अब तक साहित्य से परे एक गौण मौन दार्शनिक संत ,पर्यावरण संरक्षक के जीवनीगत ,साहित्यिक परिचय करवाना ,गुरु जम्भेश्वर की वाणी की महिमा ,जीव कारुण्य,प्रकृति प्रेम का परिचय करवाना | संत ,दार्शनिक एवं पर्यावरण संरक्षक के रूप में उनका योगदान सविस्तार से अवगत कराना ,भविष्य में ugc की मदद से एक पीठ की स्थापना करने के महती उध्देश्य से इस पत्र का परिचय दिया जा रहा है

Learning outcome:

विद्यार्थी राजस्थान के दार्शनिक संत गुरु जम्भेश्वर की वाणी से परिचित होकर समाज में मानवीय धर्मों को फैलायेंगे ,उनके दार्शिनिक विचारों से अवगत हो जायेंगे | उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण संबधी विचारों से प्रेरित होकर प्रकृति माँ की सेवा करेंगे | पौधों को उगाना ,हरियाली को बचाना ,जल की बचत ,मिट्टी एवं वन्य जंतुओं का संरक्षण आदि सीखकर शान्ति पूर्ण संस्कार युक्त सभ्य समाज का निर्माण करेंगे |

Course Details:

इकाई 1: हिंदी के संत साहित्य का परिचय

इकाई 2: हिंदी के संत काव्य के प्रमुख कवि - सामान्य परिचय

इकाई 3: हिंदी की बोलियों का परिचय : राजस्थानी के विशेष सन्दर्भ में

इकाई 4: राजस्थान के प्रमुख संत कवि एवं दार्शनिक : जम्भेश्वर के विशेष सन्दर्भ में

इकाई 5: जम्भेश्वर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व ,पर्यावरण संरक्षक का रूप

इकाई 6: उनके कुछ चयनित 20 पद : अर्थ सहित

संदर्भ पुस्तकें :-

१.जन्भवानी मूल संजीविनी व्याख्या –प्रोफेसर किशना राम बिशनोय १९९७ –संस्करण प्रथम –GJUST ,हरियाणा प्रकाशन

२. जम्भवाणी काव्य कोश - प्रोफेसर किशना राम बिशनोय १९९७ –संस्करण प्रथम – निर्मल प्रकाशन ,नयी दिल्ली

३ .जाम्भोजी की शब्द वाणी –हीरालाल माहेश्वरी –

४. जाम्भोजी की वाणी (द्वितीय संस्करण) – श्री सूर्यशंकर पारीक, विकास प्रकाशन बीकानेर, सन 2008

५. जम्भसार (भाग प्रथम एवं द्वितीय) – साहबरामजी द्वारा प्रणित, द्वितीय संस्करण, सम्पादक – स्वामी कृष्णानन्दजी आचार्य, प्रकाशक – स्वामी आत्मप्रकाश जिज्ञासु, सन 2002

६. जाम्भोजी सब्दार्थ – लेखक श्रीकृष्ण विश्नोई, प्रकाशक विश्नोई सेवक, श्री बालाजी, नागौर, द्वितीय संस्करण, जनवरी 2009

७. श्री जम्भावाणी गुटका – सम्पादक डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, प्रकाशक श्री गुरु जम्भेश्वर साहित्य सभा (रजि.), श्री जम्भेश्वर मन्दिर, अबोहर,

प्रथम संकरण, 2011

Course code	**MAH 512**
Course Name:	**आधुनिक भारतीय कविता**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: आधुनिक भारतीय साहित्य का परिचय करवाना ,नयी कविता ,साठोत्तरी कविता का विकास उत्तर एवं दक्षिण में आदि की जानकारी देना ,आधुनिक भारतीय कवियों के अंतर्गत ८ चयनित कवितों की कविताओं से अवगत कराना ,राष्ट्रीयकविताओं में व्यक्त देश भक्ति को उजागार करवाना ,सामाजिक मूल्यों की स्थापना कविताओं से किस प्रकार व्यक्त हुई आदि को सविस्तार से काव्य सौन्दर्य के माध्यम से प्रस्तुत कराना	
Learning outcome: विद्यार्थियों को भारतीय कविताओं में चित्रित राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान मिलेगा | अन्य भाषाओँ के काव्य सौन्दर्य के आस्वादन के साथ साथ वहां चित्रित राष्ट्र प्रेम ,स्वतंत्रता सेनानियों का विवरण ,काव्य में व्यक्त आधुनिक प्रासंगिकता ,सामाजिक एकता का विवरण जान सकेंगे |	
Course Details:	
इकाई 1 : भारतीय कविता में आधुनिकता - भारतीय कविता में आधुनिक प्रवृत्तियों का आरंभ और उसका रूपांतरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ इकाई 2 : भारतीय कविता में वैचारिक आन्दोलन, आधार | **(10L)** इकाई 3 :- प्रमुख भारतीय कवि - रवीन्द्रनाथ ठाकुर (बांग्ला) (जहाँ चित्त भय-शून्य, शंख, विहंग के जाने का समय हो गया), सुब्रमण्यम भारती (तमिल) (तानाशाह जार का पतन) वैरमुत्तु (भूमि पर आए नव शताब्द हे!) **(15L)** इकाई 4: प्रमुख भारतीय कवि - डॉ. सी. नारायण रेड्डी (तेलुगु) (अमृत बाँट रहा हूँ, मुझे ज़हर पीने दो), कुसुमाग्रज (मराठी) (पृथ्वी का प्रेमगीत, याचक) **(15L)** इकाई 5:- प्रमुख भारतीय कवि - उमाशंकर जोशी (गुजराती) (छोटा मेरा खेत, वर दे इतना), अवतार सिंह संधू 'पाश' (पंजाबी) (कुछ सच्चाईयाँ, हाथ) इकाई 6: प्रमुख भारतीय कवि मलयालम की किन्ही दो राष्ट्र भक्ति सम्बन्धी कवितायेँ	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. भारतीय साहित्य: स्थापनाएं और प्रस्तावनाएँ – के. सच्चिदानंद 2. भारतीय साहित्य की भूमिका – डॉ. रामविलास शर्मा 3. भारतीय साहित्य – डॉ. राम छबीला त्रिपाठी	

Course code	**MAH 513**
Course Name:	**विश्व साहित्य: सामान्य अध्ययन**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को विश्व साहित्य के सम्बन्ध में ध्यान आकर्षित करना है | अंग्रेज़ीके विश्व भाषा बनते ही, ब्रिटेन का साहित्य अधिक पढ़ा जाने लगा तथा विश्व की अन्य भाषाओं के साहित्य की ओर ध्यान कम होता गया | इस कोर्स के माध्यम से विश्व की विभिन्न संस्कृति और भाषा के साहित्य का अध्ययन करना और जानकारी प्राप्त करना है साथ ही विश्व के प्रसिद्ध साहित्यकारों की रचनाओं के बारे में अवगत करवाया जायेगा |	
Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी समय- समय पर विश्व की बदलती राजनैतिक, आर्थिक स्थितियों और संस्कृति का परिचय प्राप्त करेंगे | विभिन्न देशों और भाषाओं के साहित्य से न केवल अवगत होंगे बल्कि उसके सामान्य समाज शास्त्रीय अध्ययन से भी अवगत होंगे | इसके साथ ही हिंसी साहित्य की समीक्षा भी कर सकने में अधिक सक्षम होंगे|	
Course Details:	
इकाई 1 : विश्व साहित्य की कविता – सामान्य परिचय इकाई 2 : विश्व साहित्य की कवितायें वर्ड्सवर्थ (कविता) - प्रभात की शोभा, हैं हम अतिशय लिप्त सदा जग की माया में	

रिल्के (कविता) - मेरे बिना तुम प्रभु ? पतझर की शाम, तमाम दिन आज

पाब्लो (कविता) - पिता, चिले की पर्वतमाला, कविकर्म, इस्ला नेग्रा की रात

इकाई 3 : विश्व साहित्य की कहानी, उपन्यास और नाटक - सामान्य परिचय

इकाई 4 : - विश्व साहित्य की कहानियां

गोगोल (कहानी) गरम कोट

काफ्का (कहानी) कायांतरण

लू शुन (कहानी) आ क्यू की सच्ची कहानी

इकाई 5: विश्व साहित्य के उपन्यास

सर्वान्तीज (उपन्यास) दोन की खोते

हेमिंग्वे (उपन्यास) सागर और बूढ़ा आदमी

इकाई 6:- विश्व साहित्य का नाटक

बर्तोल्त ब्रेख्त (नाटक) खडिया का घेरा

संदर्भ पुस्तकें :-

1. विश्व साहित्य की रूप रेखा , भगवतशरण उपाध्याय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
2. विश्व काव्य की रूप रेखा, विजेंद्र स्नातक, अपोलो पब्लिकेशन, जयपुर

Course code	**MAH 514**
Course Name:	**पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: फिल्म सम्बन्धी सैध्दांतिक एवं तकनीकी जानकारी दिलाना ,

शाट ,स्पॉट ,शूट ,स्लॉट ,विभिन्न प्रकार के फिल्म की पारिभाषिक शब्दावलियों का परिचय देकर उन्हें फिल्म सम्बन्धी ज्ञान से अवगत कराना | फ़िल्म के मुख्य कर्मचारी गण,शूटिंग के पूर्व ,दौरान पश्चात होनेवाली प्रक्रियाओं का सैध्दांतिक ज्ञान से अवगत कराना |

Learning outcome: फिल्म लेखन के विभिन्न तत्व,फिल्म के प्रकार ,फिल्म निर्माण में होनेवाली समस्त प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी मिलेगी | विभिन्न शॉट्स का परिचय का ज्ञान मिलेगा | पटकथा लिखने का कौशल बढेगा | विभिन्न परिवेश देकर पटकथा लिखवाकर लेखन की क्षमता को बढ़ाना |

Course Details:

इकाई 1 : पटकथा लेखन - पटकथा का स्वरूप, पटकथा के मूलतत्व,

इकाई 2 :- पटकथा के प्रकार्य एवं विषयवस्तु – पटकथा का द्वंद्व **(15L)**

इकाई 3 :- पटकथा प्रगत अध्ययन - कहानी (स्टोरी लाइन), संवाद लेखन,

इकाई 4 :- फिल्म रूपांतरण, शूटिंग स्क्रिप्ट **(15L)**

इकाई 5: फिल्म निर्माण - कथा का फिल्मांकन और सम्पादन ,स्क्रिप्ट लेखन **(10L)**

इकाई 6:- फिल्म पटकथा, साहित्य और संस्कृति - साहित्य और फिल्म का सौन्दर्य बोध, फिल्म में शिल्प एवं अन्य पक्ष **(15L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. पटकथा लेखन: एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कथा-पटकथा, मन्नू भंडारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मीडिया लेखन, सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course code	**MAH 515**
Course Name:	**हिंदी साहित्य और सिनेमा**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य और सिनेमा से परिचित कराना और उन्हें इस विषय के अध्ययन के लिए प्रेरित करना है | इसमें विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य और सिनेमा की जानकारी दी जाएगी, हिंदी सिनेमा के विकास और उसके सौंदर्यशास्त्र से अवगत कराया जाएगा | एनिमेशन और डिजिटल सिनेमा और साहित्य के संबंधों के अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाएगा |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी हिंदी साहित्य और सिनेमा के संबंध से अवगत होंगे | किस प्रकार साहित्य का फिल्मांतरण किया जाता है, कैमरे की अनंत संभावनाओं से उसे अविस्मरणीय बनाया जाता है, सिनेमा और साहित्य की केस स्टडी की प्रक्रिया से अवगत होंगे | हिंदी सिनेमा के इतिहास की जानकारी प्राप्त होगी |समसामयिक विषयों को लेकर सिनेमा समाज के नकारात्मक पक्ष के खिलाफ़ लड़ता रहा है, सामाजिक समस्याओं का किस प्रकार चित्रण करता है से अवगत होंगे | सिनेमा के विविध पहलुओं के साथ ही इस की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी कि सिनेमा मनोरंजन के साथ समाजोपयोगी भी है |

Course Details:

इकाई 1 : साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध - हिंदी सिनेमा का विकास,

इकाई 2 :- साहित्य और सिनेमा का सौंदर्यशास्त्र **(10L)**

इकाई 3 : सिनेमा के सामाजिक सरोकार - सिनेमा के विविध पहलू-सामाजिक सिनेमा, आंचलिक हिंदी सिनेमा, मुंबइया सिनेमा और समानांतर सिनेमा **(15L)**

इकाई 4: हिंदी की साहित्यिक कृतियों का फिल्मांकन - साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों की केस स्टडी - गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, आपका बंटी, पहेली आदि। **(15L)**

इकाई 5: एनिमेशन और डिजिटल सिनेमा - लोक कथाओं और महाकाव्यों पर आधारित लघु फिल्में और एनिमेशन,

इकाई 6: हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिप्रेक्ष्य **(15L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. साहित्य और सिनेमा अंतःसंबंध और रूपांतरण-विपुल कुमार, मनीष पब्लिकेशन, दिल्ली, 2014
2. भारतीय सिने सिद्धांत-अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली, 2009, 295 रु
3. फिल्म निर्देशन-कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2007, 400 रु
4. सिनेमा की सोच-अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013, 395 रु
5. सिनेमा समकालीन सिनेमा- अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014, 300 रु
6. सिनेमा के बारे में-जावेद अख्तर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008, 175 रु
7. भारतीय फिल्मों की कहानी-बच्चन श्रीवास्तव, राजपाल एंड संस,दिल्ली, 1992
8. सिनेमा: कल, आज, कल- विनोद भरद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012

Course code	**MAH 516**
Course Name:	**राजस्थान का भक्ति काव्य**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य राजस्थान के भक्ति काव्य, प्रमुख भक्त कवियों और उनके साहित्य से अवगत करवाना है। इन भक्त कवियों ने किस प्रकार आमजन में समन्वय की भावना पैदा कर समाज में जागरूकता पैदा की, इसे अभिव्यक्त करना है। राजस्थान के साहित्य की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों का दिग्दर्शन करवाना है। हिंदी साहित्य के इतिहास, उस काल विशेष के साहित्यकारों, उस काल की प्रवृतियों और सीमा ज्ञान से अवगत होना है। साथ ही विद्यार्थी यह भी जान सकेंगे कि जनता की चित्तवृतियों में परिवर्तन से साहित्य एवं भाषा में किस प्रकार परिवर्तन होता है।

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि प्रत्येक काल का साहित्य उस युग की चित्तवृत्तियों पर निर्भर करत। विद्यार्थी जान पायेंगे कि राजस्थान के भक्ति साहित्य ने आमजन में फैली रुढियों, जड़मूल परम्पराओं को दरकिनार कर किस प्रकार समतामूलक समाज की स्थापना की। राजस्थान के भक्ति कालीन कवियों की काव्य कला एवं भाषा शिल्प से परिचित हो सकेंगे जो आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होता है।

Course Details:

इकाई 1 **:** भक्ति अर्थ. परिभाषा एवं स्वरूप, भक्ति के विविध भाव, हिंदी साहित्य का पूर्व मध्यकाल, भक्तिकाल के उदय के सामाजिक-आर्थिक कारण, प्रमुख जैन साहित्यकार, जैन साहित्य की प्रवृतियाँ, चरितकाव्य, ऋतु काव्य (15L)

इकाई 2 : प्रमुख संत कवि - दादूपंथी साहित्यकार, चरणदासी साहित्यकार, रामस्नेही पंथी साहित्यकार (05L)

इकाई 3: जाम्भोजी , जसनाथी सम्प्रदाय, निरंजन पंथी, लालदासी पंथ प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ (05L)

इकाई 4: नाथ संप्रदाय – राजस्थान में नाथ संप्रदाय का विकास, प्रमुख गद्दियाँ और कवि नाथ योगी दुर्बलनाथ काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ एवं उनका चिंतन (चयनित पद) (10L)

इकाई 5: सगुण एवं निर्गुण सम्प्रदाय, रामभक्ति शाखा :- प्रमुख सम्प्रदाय, गद्दियाँ और कवि, काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ कृष्णभक्ति शाखा - प्रमुख सम्प्रदाय, गद्दियाँ और कवि, काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ (10L)

इकाई 6:- भक्त शिरोमणि मीरां बाई तथा रानाबाई तथा उनके काव्य में प्रतिरोध की चेतना, रहस्यवादी भावना, वेदनानुभूति, प्रेम भावना। (05L)

संदर्भ पुस्तकें :-

1. राजस्थान में भक्ति आन्दोलन -प्रो. पेमाराम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्रथम संस्करण, 2014, मूल्य 170 रु.
2. राजस्थानी साहित्य का इतिहास -हरदान हर्ष, रचना प्रकाशन, जयपुर, संस्करण, 2015, मूल्य 150 रु.
3. राजस्थान की हिंदी साहित्य को देन -डॉ. गजानन मिश्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, संस्करण, 1995, मूल्य 85 रु.
4. राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा - डॉ. जय सिंह नीरज, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, संस्करण, 2013, मूल्य 105 रु.
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य - मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर, संस्करण 2006, मूल्य 250 रु.
6. हिंदी साहित्य इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, भारती पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर, दिल्ली, संस्करण 2015, मूल्य 600
7. भारतीय साहित्य का दूसरा इतिहास- बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1997, मूल्य 140 रु.
8. भक्तिकाव्य और लोकजीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1983, 250 रु.

Course code	**MAH 517**
Course Name:	**21 वीं सदी के राजस्थान के प्रमुख हिंदी नाटक एवं नाटककार**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्य क्रम से २१वी शती के राजस्थान के नाटकों से परिचय प्राप्त कराना ,| उनमें चित्रित समसामयिक समस्याओं को अवगत कराना साथ में परिवेश की जानकारी देना | भाषा शैली से अवगत कराना ,रंगमंचीय दृष्टि से नाटक की सफलता ,पत्रों परियोजना आदि से विषय ज्ञान का बोध कराना

Learning outcome:विद्यार्थियों को विशेष रूप से राजस्थान के स्थानीय नाटककारों की प्रतिभा की जानकारी मिलेगी | नाटक खेलने की रुचि के साथ जिज्ञासा बढ़ेगी | राजस्थान की समसामयिक परिस्थितियों का बोध होगा |२१वी सदी के राजस्थान के नाटककारों को साहित्य जगत में विश्व विद्यालय के पाठ्यक्रम में शामल कराकर उनकी प्रतिभा को उजागार करना | समकालीन नाटककारों के लेखन से विद्यार्थी लाभान्वित हो जाये |

Course Details:

इकाई 1 : २१ वी शती के राजस्थान का नाटक : सामान्य परिचय प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई 2 :- राजस्थान के हिंदी नाटक एवं राजस्थानी नाटक (२१वी सदी के सन्दर्भ में) :

इकाई 3: २१ वी सदी के प्रमुख नाटककार : एक रचनागत परिचय (चयनित २ नाटक)

1. हमीदुल्लाह- खयाल भारमली, दरिंदे, एक और युद्ध |
2. नंद किशोर आचार्य- देहांतर, हस्तिनापुर, पागलघर, और गुलाम बादशाह |
3. रिजवान जहीर उस्मान - लोमड़ीयां, नमस्कार आज शुक्रवार है, और 'सुनो लड़की दबे पांव आते हैं सभी मौसम' |
4. भानु भारती- कथा कही एक जले पेड़ ने, चमकू उर्फ चन्द्रमासिंह और अमरबीज |
5. रत्नकुमार साम्भरिया - तीन नाटक: वीमा, उजास, भभुल्या |

इकाई 4: २१ वी सदी के प्रमुख नाटककार : एक रचनागत परिचय (चयनित २ नाटक)

1. यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र – तास रो घर
2. मणि मधुकर – रस गंधर्व, खेला पालमपुर
3. शिव चंद्र भरतिया – केसर विलास
4. भरत व्यास – रंगीलो मारवाड़, ठोला मारू
5. भगवान अटलानी – पालतू
6. मदन शर्मा – प्रश्न चिह्न
6. रमेश खत्री – मोको कहाँ ढूंढे से बड़े

इकाई 5:- २१ वी शती के राजस्थान के नाटक : एक विश्लेषण
इकाई 6 : २१ वी शती के राजस्थान का नाटक : प्रवृत्तिगत विशेषताएं

संदर्भ पुस्तकें :-

1. नाट्य दर्शन - शांतिगोपाल पुरोहित
2. नाटक और नाट्य शैलियाँ - दुर्गा दीक्षित
3. संस्कृत और हिंदी नाटक - जयकुमार जलज
4. नया नाटक: उद्भव और विकास - डॉ. नरनारायण राय
5. साहित्यलोचन: श्यामसुंदर दास
6. आधुनिक हिंदी नाटक - डॉ. शकुंतला यादव
7. आधुनिक हिंदी नाटक - डॉ. नगेंद्र
8. आधुनिक साहित्य विविध परिदृश्य - सं. डॉ. सुंदरलाल खथूरिया
9. साठोत्तर हिंदी नाटक - के. वी. नारायण कुरूप
10. स्वातंत्र्योत्तर नाटक: मूल्य संक्रमण - ज्योतिश्वर मिश्र
11. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
12. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी

Course code	**MAH 518**
Course Name:	**दक्षिण भारत के प्रमुख संत कवि एवं काव्य (तमिल एवं तेलगु के विशेष सन्दर्भ में)**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**
Course Objectives: दक्षिण भारत के भक्ति साहित्य की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ वहां के प्रमुख भक्ति एवं संत कवियों के साहित्य का ज्ञान अवगत कराना विशेष रूप से तिरुवल्लुवर दोहावली, योगी वेमना के पदों का अध्ययन करवाना, दोनों के काव्य में चित्रित नैतिक, मानवीय मूल्यों को उजागर करवाना	भारतीय संत साहित्य हमेशा आधुनिक प्रासंगिक होने के कारण वह समाजोपयोगी भी होगा	भाषाओं की एकता राष्ट्रीय एकता की सीढ़ी होती है		
Learning outcome: विद्यार्थियों को दक्षिण भारत के संत काव्य की जानकारी मिलेगी साथ साथ तमिल व तेलुगु क्षेत्रों में प्रचलित संत साहित्य का ज्ञान मिलेगा	संत काव्य के अध्ययन से मानवीय मूल्य बढ़कर सभ्य समाज की स्थापना होगी	उत्तर के विद्यार्थियों को दक्षिणा के		

संतों के साहित्य की जानकारी मिलेगी | जिससे दक्षिण में प्रप्रथम उत्पन्न भक्ति साहित्य के प्रादुर्भाव वहां की साहित्यिक सांस्कृतिक परिवेश के ज्ञान के साथ साथ वहां के कवियों की रचनाओं को हिंदी में अध्ययन करने का
सुअवसर मिलेगा | s

Course Details:

इकाई 1 : भारतीय भक्ति साहित्य : एक परिचय (हिंदी ,तेलुगु तमिल के विशेष सन्दर्भ में)
इकाई 2 :- तमिल के नीति कवि :संत तिरुवल्लुवर : एक परिचय
इकाई 3: तेलुगु के लोक रंजक क्रांतिकारी संत कवि : योगी वेमना : एक परिचय
इकाई 4:- वल्लुवर एवं वेमना के चयनित -४० पद (भावार्थ सहित)
इकाई 5 : हिंदी के संत कवि कबीर दास ,तमिल के तिरुवल्लुवर ,तेलुगु के वेमना : एक तुलना आधुनिक प्रासंकिता के सन्दर्भ में

संदर्भ पुस्तकें :-

Reference Books:

1. FACTS OF Indian Literature—K.M.George
2. Glimpses of Indian Culture-Manmohanopaadyay, Dr.Dyanesh Narayani. Chakravarthy
3. Thirukkural (Tamil) Urai vilakkam-G.Varadarajan
4. Kural The Great Book-Translated by Sri. C.Rajaji
5. Vemana padyalu(Telugu) –Bangore T.T.D.Publication Tirupathi.
6. Ethics, Erotics and Aesthetics – Ed Prafulla, K. Mishra
7. Kabir Granthavali-Dr.Govind Trigunaayat
8. Kabir-AAcharya Hajari prasaad Dwivedi.
9. Vishwa kavi Vemana—Gurram Venkata Reddy, Pochana Vema Reddy.
10. MAHdi-Telugu ek tulnaatmak adhyayanamu-aacharya sundara reddy
11. Natural philosopher-vemana- sri naarla
12. Kabir-vemana Tulnatmak parisheelanamu (Telugu)– Dr. K.V.V.N. Murthi

Course code	**MAH 519**
Course Name:	**स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता**
Credit, Mode:	**4, LTP : 4+0+0**

Course Objectives: इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करना है | पुराने प्रतिमानों और विचारों की पृष्ठभूमि पर खड़ी कविता नयी अवधारणा को लेकर अपने लक्ष्य को किस तरह और किस तरफ लेकर बढ़ रही है अवगत हो सकेंगें |

Learning outcome: इस पाठ्यक्रम के समापन के बाद विद्यार्थी इस बात से अवगत हो सकेंगे कि स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता किस तरह जीवन के यथार्थ को अभिव्यक्त करना चाहती है, साथ ही कवि की सजगता तथा विशेष अनुभव काव्य के तथ्य एवं सन्दर्भों के साथ किस प्रकार प्रस्तुत करते हैं | किस प्रकार इस कविता की पृष्ठभूमि एक विशाल रूप धारण कर रही है इस जानकारी से अवगत हो सकेंगें |

Course Details:

इकाई 1 : रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी
इकाई 2 : नागार्जुन- कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ |
इकाई 3: सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय- कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर,
असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार
इकाई 4: भवानीप्रसाद मिश्र- गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल

इकाई 5: मुक्तिबोध- भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में इकाई 6: धूमिल – नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद
संदर्भ पुस्तकें :-
1. दिनकर: सृजन और चिंतन, डॉ. रेणु व्यास, सिग्नेचर बुक्स इंटरनेशनल प्रकाशन, दिल्ली, 2013, 510 रु 2. नागार्जुन: अनभिजात का क्लासिक, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 395 रु 3. नागार्जुन का रचना संसार, विजय बहादुर सिंह, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 2009, 4. नागार्जुन संवाद, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009, 250 रु 5. मुक्तिबोध रचनावली, (छ: खंड) , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007, 4,200 रु 6. अपने-अपने अज्ञेय, ओम धानवी (सं.) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2011, 1500 रु 7. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ, करुणाशंकर उपाध्याय , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2008, 400 रु

Course code	**MAH 520**
Course Name:	**वेब पत्रकारिता**
Credit, Mode:	**4, LTP: 3+0+2**
Course Objectives: इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंटरनेट और मोबाइल आधारित संचार के विभिन्न रूपों और उनकी संभावनाओं से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम में, साइबर मीडिया का विकास और उसकी संभावनाओं की जानकारियाँ दी जाएंगी, ऑन लाइन संपादन, ई अखबार, वेब रेडियो, वेब टेलीविज़न पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों का अध्ययन किया जाएगा, सायबर पत्रकारिता के आर्थिक एवं प्रबंध संबंधी पक्षों और कानूनों की भी चर्चा की जाएगी।	
Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी वेब पत्रकारिता को समझ सकेंगे | वे संचार के विभिन्न रूपों से अवगत हो पाएंगे | संचार के अधुनातन माध्यमों के प्रति समझ विकसित होगी | पत्रकारिता के अधुनातन विधियों को समझ पाएंगे | पत्रकारिता के प्रति रूचि उत्पन्न होगी और परम्परागत पत्रकारिता से परे वेब पत्रकारिता के महत्त्व, व्यवहार संबंधी धारणा स्पष्ट होगी | विद्यार्थी का पत्रकारिता के प्रति व्यावहारिक पक्ष मजबूत होगा | पत्रकारिता के कौशल की प्राप्ति होगी |	
Course Details:	
इकाई 1: वेब पत्रकारिता का परिचय - वेब/ऑन लाईन पत्रकारिता का परिचय एवं संभावनाएँ **(10L)** **इकाई 2**: सोशल नेटवर्किंग साईट्स, ट्वीटर, फेसबुक, लिंक्डइन, ब्लॉग इत्यादि। **(10L)** **इकाई 3**: वेब पत्रकारिता के विभिन्न पहलू - ऑनलाइन पत्रकारिता और ई समाचार पत्र एवं ई जर्नल्स, ई प्रकाशन एवं संपादन **(10L)** **इकाई 4**: वेब पत्रकारिता का तकनीकी पक्ष - ऑन लाइन संपादन, वेब रेडियो और वेब टेलीविज़न **(10L)** **इकाई 5**: साइबर मीडिया का प्रबंधन एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य, वेब पोर्टल एवं अन्य मीडिया प्रबंध **(10L)** **इकाई 6**: सायबर मीडिया के संचालन का आर्थिक पक्ष, आय एवं मानव संसाधन **(10L)**	
संदर्भ पुस्तकें :-	
1. इंटरनेट पत्रकारिता-सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली 2. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता-डॉ. अजय कुमार सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. वेब पत्रकारिता नया मीडिया नए रुझान-शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली	

Course code	**MAH 521**
Course Name:	**हिंदी भाषा और कम्यूटर अनुप्रयोग**
Credit, Mode:	**4, LTP: 3+0+2**

Course Objectives: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारियाँ दी जाएगी ताकि वे कम्प्यूटर के कार्य से भली-भाँति परिचित हो सके | विद्यार्थी हिंदी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी की विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे | हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर के अनुप्रयोग का परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी अपने व्यावहारिक जीवन में कम्प्यूटर का प्रयोग आसानी से कर सकेंगे |

Learning Outcomes: इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थीयों में हिंदी भाषा में रुचि एवं कम्प्यूटर की समझ विकसित होगी | इसके साथ-साथ विद्यार्थी हिंदी के साथ तकनीक के प्रयोग पर बल दे सकेंगे | कम्प्यूटर का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा | नई तकनिकी के माध्यम से ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे | भाषा कंप्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे |

Course Details:

इकाई 1: हिंदी भाषा और कंप्यूटर का विकास क्रम - कंप्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास, हार्डवेअर, सोफ्टवेअर | कंप्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास, कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ | **(10L)**

इकाई 2: हिंदी भाषा में कंप्यूटर प्रौद्योगिकी – इंटरनेट और हिंदी, ई मेल, यूनिकोड, स्पीच तो टेक्स्ट प्रौद्योगिकी, एमएस ऑफिस (वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट: सामान्य परिचय) | हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेअर एवं वेबसाइट, सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल | **(10L)**

इकाई 3: हिंदी भाषा और कम्प्यूटर: विविध पक्ष - इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ, एसएमएस की हिंदी, ब्लोगिंग, न्यू मीडिया और हिंदी भाषा **(10L)**

इकाई 4: कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग और शब्द संसाधन - हिन्दी में कूंजीपटल का विकास और उसके विभिन्न रूप, हिन्दी में टंकण की पद्धतियां, हिन्दी के विभिन्न फोंट्स **(10L)**

इकाई 5: कम्प्यूटर का उपयोग - हिंदी लेखन, प्रकाशन व वेब प्रकाशन | वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग, फॉण्ट प्रबंधन – तकनीक व तरीके, ब्लॉग प्रकाशन, इंटरनेट पर सामग्री सृजन, अपलोडिंग, डाउनलोडिंग, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल | स्वयम, मूक, ई-पीजी पाठशाला | आभासी कक्षाएँ | **(10L)**

इकाई 6: पोस्टर, पीपीटी निर्माण | प्रायोगिक कार्य और प्रोजेक्ट तैयार करना-

(विद्यार्थी की रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर माइक्रोसाफ्ट वर्ड, एक्सेल और पावर प्वाइंट का उपयोग करते हुए एक प्रोजेक्ट तैयार करना और उसे प्रस्तुत करना।) **(10L)**

संदर्भ पुस्तकें :-

1. कंप्यूटर और हिंदी, हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी भाषा और कंप्यूटर, संतोष गोयल, श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कंप्यूटर और सूचना तकनीक, शंकर सिंह, पूर्वांचल प्रकाशन, नई दिल्ली

संकाय हिंदी विभाग –

1. **प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर**
2. **डॉ. एस. पी. महेंद्रा**
3. **डॉ. ममता खांडल**
4. **डॉ. सुरेश सिंह राठौड़**
5. **डॉ. संदीप वि. रणभिरकर**

बोर्ड ऑफ़ स्टडीज –

1. **प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर**
2. **डॉ. संजय अरोड़ा (अंग्रेजी विभाग)**
3. **डॉ. संदीप वि. रणभिरकर**
4. **डॉ. शरिता शर्मा (लिंग्विस्टिक विभाग)**
5. **प्रो. अन्नपूर्णा (हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद)**
6. **प्रो. नीरज कुमार (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)**

29-11-2022

डॉ. एस. पी. महेंद्रा
(विभागाध्यक्ष)